दैनिक

भारत देश हमारा

मुख्य सम्पादक - जगजीत सिंह दर्दी

सम्पादक: अमृतपाल सिंह

DAILY BHARAT DESH HAMARA NEW DELHI

पीआरजीआई (आरएनआई) रज़ि न. 57282/1994 वर्ष 30 अंक 114 नई दिल्ली शनिवार 26 अप्रैल 2025 मूल्य एक रुपया कुल पृष्ठ: 8 फोन 97111 01161 ईमेल : bharatdeshdelhi@gmail.com

युवक की नदी में डुबने से मौत

मुंबई 25 अप्रैल (निस) रितेश देशमुख की फिल्म राजा शिवाजी की कोरियोग्राफी टीम के एक सदस्य की नदी में डूबने से मौत हुई है। 26 साल के डांसर का नाम सौरभ शर्मा था। डांसर सतारा जिले की कृष्णा नदी में डूब गया। पुलिस ने बताया कि कोरियोग्राफर गाने की शूटिंग खत्म होने के तुरंत बाद डूब गया। दो दिन बाद शव मिला।

इसरो के पूर्व अध्यक्ष का 84 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व अध्यक्ष के. कस्तूरीरंगन का 84 साल की उम्र में शुक्रवार सुबह बेंगलुरु में निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने बताया कि उनके परिवार में दो बेटे हैं। पिछले कुछ माह से वे उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। आज अंतिम सांस ली।

सेना प्रमुख ने पहलगाम में घटनास्थल का दौरा किया

आतंक के खिलाफ अभियान तेज, सख्त आदेश जारी

मुकाबले में एक आतंकी ढेर, आतंकियों के घरों को ध्वस्त करने का अभियान तेज, सीमा पर फायरिंग

श्रीनगर 25 अप्रैल (निस) पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शुक्रवार को श्रीनगर पहुंचे। यहां सेना के कमांडर्स ने जनरल द्विवेदी को हालात और आतंकियों के खिलाफ सेना द्वारा उठाए गए कदमों की जानकारी दी। सेना प्रमुख को एलओसी के मौजूदा हालात की भी जानकारी दी।बता दें शुक्रवार सुबह एलओसी पर पाकिस्तान की ओर से कुछ जगहों गोलीबारी हुई। भारतीय सेना ने इसका जवाब भी दिया। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर आर्मी चीफ का यह दौरा काफी अहम है। भारतीय सेना प्रमुख यहां सुरक्षा स्थिति की समीक्षा

करने के लिए शुक्रवार को श्रीनगर का यह दौरा कर रहे हैं। इस दौरान वह महत्वपूर्ण सैन्य ठिकानों पर जाएंगे। आर्मी चीफ की इस विजिट में उन्हें आतंकवादियों के खिलाफ की गई कार्रवाई की जानकारी दी जा रही है। जम्मू कश्मीर में तैनात भारतीय सेना के टॉप कमांडर्स आर्मी चीफ को सैन्य संरचनाओं की भी जानकारी देंगे। आर्मी चीफ कश्मीर घाटी और नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा बलों द्वारा किए गए आतंकवाद विरोधी उपायों की भी जानकारी ले रहे हैं। आर्मी चीफ की इस विजिट के दौरान सेना की 15 कोर के कमांडर और राष्ट्रीय राइफल्स के अन्य कमांडर मौजूद थे। सेना प्रमुख अवंतीपोरा में विक्टर फोर्स के मुख्यालय का दौरा करेंगे। यह सेना का एक डिवीजन है जो दक्षिण कश्मीर में ऑपरेशन का प्रभारी है। सेना प्रमुख को मौजूदा ऑपरेशन की स्थिति और निकट भविष्य के लिए तैयार किए जा रहे सुरक्षा तंत्र के बारे में जानकारी दी जाएगी। जनरल द्विवेदी श्रीनगर में चिनार कोर के मुख्यालय का भी दौरा करेंगे। यहां वे उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सुचेंद्र कुमार और 15 कोर कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल प्रशांत श्रीवास्तव से साथ बैठक करेंगे। बैठक में व्यापक सुरक्षा समीक्षा की जाएगी तथा सैन्य योजनाओं व जरुरी बदलावों पर चर्चा की जा सकती है। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद से सेना ने इलाके में आतंकवादियों के खिलाफ सघन अभियान चला रखा है। बता दें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने मंगलवार को पर्यटकों पर गोलियां बरसाई थीं। इस आतंकी हमले में 28 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद से सेना व सुरक्षाबलों ने संदिग्ध स्थानों की घेराबंदी कर रखी है। **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

आतंक के खिलाफ सरकार सख्त कदम उठाए, हमारा पूरा समर्थन-राहुल गांधी

श्रीनगर, 25 अप्रैल (निस) कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले में हुए घायलों से मुलाकात की। यहां उन्होंने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत सरकार जो भी कार्रवाई करेगी, उसे वे और उनकी पार्टी पूरी तरह से समर्थन करेंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने घायलों से मुलाकात कर उनसे हाल जाना और कहा, कि इस वक्त पूरा देश एकजुटता के साथ खड़ा है और हम आतंकवाद को हराने में सफल होंगे। राहुल ने आतंकी हमले में घायल हुए लोगों के प्रति संवेदना जताते हुए कहा, यह देखकर बहुत दुख होता है कि कुछ लोग कश्मीर और देश के अन्य हिस्सों में मेरे भाइयों और बहनों पर हमला कर रहे हैं। उन्होंने कहा यह वक्त एकजुटता दिखाने का है और आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को एकजुट होकर जीता जाएगा।

एलजी और सीएम से की मुलाकात

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल और राज्य के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से भी मुलाकात की। इस बीच उन्होंने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी और वे व्यक्तिगत रूप से राज्य के लोगों के साथ खड़े हैं। उन्होंने कहा, कि मैं यहां यह जानने आया हूं कि क्या हो रहा है और मदद करने आया हूं। जम्मू-कश्मीर के सभी लोगों ने इस भयानक आतंकी हमले की निंदा की है और आतंकवादियों के खिलाफ संपूर्ण देश ने समर्थन किया है। राहुल गांधी ने विपक्ष की ओर से भी सरकार को समर्थन देने की बात की। उन्होंने कहा, कल हमने सरकार के साथ बैठक की और संयुक्त विपक्ष ने इस आतंकी हमले की निंदा की।

भाई से भाई को लड़वाने की साजिश

राहुल गांधी ने इस आतंकी हमले को समाज को बांटने और भाई को भाई से लड़वाने की साजिश करार दिया और कहा, यह बहुत महत्वपूर्ण है

पुणे में मिले 111 पाकिस्तानी नागरिक

पुणे, 25 अप्रैल (निस) बीते मंगलवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने पर्यटकों पर फायरिंग की थी। इस फायरिंग में 27 लोगों की मौत हो गई। इस घटना में महाराष्ट्र के छह पर्यटकों की मौत हो गई है। इस घटना के बाद पूरे देश में हड़कंप मचा हुआ है और हर तरफ बदला लेने की मांग हो रही है। अब पुणे से एक चौंकाने वाली खबर सामने आई है। पुणे शहर में 111 पाकिस्तानी नागरिक हैं और इन लोगों को केंद्र सरकार द्वारा जो निर्देश दिए गए हैं उसके अनुसार निर्देश दिए गए हैं, इस बात की जानकारी पुणे शहर के कलेक्टर जितेंद्र डूडी ने दी है। उन्होंने कहा, पासपोर्ट विभाग के साथ-साथ वीजा जारी करने वाले लोगों से भी जानकारी ली जा रही है। अब तक मिली जानकारी से पता चलता है कि 111 नागरिक पाकिस्तान के हैं और उन्हें प्रशासन के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए अपने देश लौटने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही, हमारे पास पूरा डेटा नहीं है और यह संख्या बढ़ने की संभावना है।

सोनिया और राहुल गांधी को कोर्ट से बड़ी राहत

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली की एक अदालत ने नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नोटिस जारी करने से फिलहाल इनकार कर दिया। कोर्ट ने ईडी से और दस्तावेज लाने को कहा है। न्यायाधीश ने कहा मैं संतुष्ट होने तक ऐसा कोई आदेश पारित नहीं कर सकता। अब इस मामले की सुनवाई दो मई को होगी। प्रवर्तन निदेशालय ने तर्क दिया कि नए कानूनी प्रावधानों के तहत, आरोपी को सुने बिना शिकायत (आरोप पत्र) पर संज्ञान नहीं लिया जा सकता।

नीट पेपर लीक का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पटना, 25 अप्रैल (निस) नीट पेपर लीक मामले में बिहार पुलिस को बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। एसटीएफ और ईओयू की टीम ने शुक्रवार को मास्टरमाइंड संजीव मुखिया को गिरफ्तार कर लिया है। पेपर लीक के बाद से ही वह फरार था। संजीव मुखिया पर 3 लाख रुपए का इनाम घोषित था। वह पटना के सगुना मोड़ इलाके स्थित एक अपार्टमेंट में छिपा था। ईओयू के एडीजी नैय्यर हसनैन खान ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। गिरफ्तारी के बाद संजीव मुखिया को कोर्ट में पेश किया जाएगा। इसके बाद एसटीएफ और ईओयू उसे रिमांड पर लेने की कोशिश करेगी। इसके बाद आरोपी से पूछताछ होगी। संजीव मुखिया नीट में धांधली कराने वाले गिरोह का मुखिया है।

सभी राज्यों के मुख्यमंत्री पाकिस्तानियों की पहचान कर तुरंत वापिस भेजने को यकीनी बनाएं-अमितशाह के सख्त आदेश

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कठोर कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। इस हमले के बाद गृह मंत्री अमित शाह ने सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने राज्यों में मौजूद पाकिस्तानियों की पहचान कर उन्हें तुरंत पाकिस्तान वापस भेजें। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमित शाह ने शुक्रवार को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से फोन पर बात की और उन्हें कहा कि पाकिस्तानियों को उनके देश वापस भेजने में किसी भी तरह की देरी नहीं होनी चाहिए। यह कदम पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को किए गए आतंकवादी हमले के बाद उठाया गया है।

हमले का विवरण और पाकिस्तान से संबंध - 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 से ज्यादा पर्यटकों की मौत हो गई। बताया गया है कि इस कायराना कृत्य को करते हुए आतंकियों ने अपने शरीर पर बॉडी कैमरा लगाया हुआ था और पूरी घटना की रिकॉर्डिंग की थी, जिससे यह स्पष्ट हुआ कि यह हमला संगठित था और इसके तार पाकिस्तान से जुड़े थे।

सिंधु जल संधि स्थगित, कड़े कदम उठाए - हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े फैसले लिए हैं। सबसे पहला कदम सिंधु जल संधि को स्थगित कर दिया गया है। इस फैसले का पाकिस्तान पर व्यापक असर होगा, क्योंकि इससे पाकिस्तान के बड़े हिस्से में कृषि के लिए पानी की आपूर्ति प्रभावित होगी। भारत सरकार अब पाकिस्तान के खिलाफ कड़े कदम उठाने के लिए पूरी तरह से तत्पर है, और इस कड़ी कार्रवाई से पाकिस्तान को एक मजबूत संदेश भेजने का प्रयास किया जा रहा है।

पाकिस्तान से जुड़े सभी वीजा रद्द करने का आदेश - गृह मंत्रालय के उच्चस्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक के **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सिक्किम में भूस्खलन व बारिश कारण हजारों पर्यटक फंसे

गंगटोक, 25 अप्रैल (निस) हिमालयी राज्य उत्तरी सिक्किम में भीषण बारिश से भूस्खलन हो जाने के कारण वहां करीब एक हजार पर्यटक फंस गए। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि चुंगथांग में गुरुवार को पर्यटकों के करीब 200 वाहन फंस गए और ये लोग एक धार्मिक स्थल में ठहरे हुए हैं। चुंगथांग राज्य की राजधानी गंगटोक से करीब 100 किलोमीटर दूर है। पुलिस के मुताबिक लाचेन-चुंगथांग मार्ग पर मुंशीथांग में और लाचुंग-चुंगथांग मार्ग पर लेमा-बॉब में भारी भूस्खलन हुआ। क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण स्थिति और खराब हो गई।

भूस्खलन ने उत्तरी सिक्किम में लाचेन, लाचुंग और युमथांग जैसे पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों को प्रभावित किया है, जो वसंत और गर्मियों के मौसम में पर्यटकों के बीच लोकप्रिय क्षेत्र हैं। बचाव कार्य जारी है, क्षेत्र में बारिश जारी है। स्थानीय अधिकारियों ने आगंतुकों और निवासियों से सतर्क रहने और स्थिति में सुधार होने तक अनावश्यक यात्रा से बचने की अपील की है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि भूस्खलन के परिणामस्वरूप प्रभावित क्षेत्रों में करीब एक हजार पर्यटक फंसे हुए हैं। उन्होंने बताया कि चुंगथांग में करीब 200 पर्यटक वाहन फंसे हुए हैं और उनमें सवार लोग गुरुद्वारे में ठहरे हैं। अधिकारियों ने बताया कि अधिकारियों ने सभी टूर ऑपरेटरों को शुक्रवार को और अगले आदेश तक पर्यटकों को उत्तरी सिक्किम नहीं भेजने का निर्देश दिया है। उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले के एसपी ने मौसम की स्थिति और भूस्खलन के कारण सड़क अवरोधों के कारण परमिट रद्द करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि लाचेन चुंगथांग रोड पर मुंशीथांग और लाचुंग चुंगथांग रोड पर लेमा-बॉब में भारी भूस्खलन हुआ है। इसके अलावा, उत्तरी सिक्किम में लगातार बारिश हो रही है।

पाक रक्षामंत्री ने कबूला-आतंक को पनाह देना बहुत महंगा पड़ रहा

कराची 25 अप्रैल (निस) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। इसके बाद पाकिस्तान में घबराहट साफ दिखाई दे रही है। खुद पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक इंटरव्यू में कबूल किया कि उनका देश पिछले 30 सालों से आतंकवाद को पनाह देता रहा है। हालांकि ख्वाजा आसिफ न इस गलती की पूरी जिम्मेदारी खुद नहीं ली, बल्कि अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पश्चिमी देशों को इसके लिए जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने यह सब इन देशों के कहने पर किया था और अब इसका नुकसान भुगत रहा है। भारत तो पहले से ही दुनिया को यह बताता रहा है कि पाकिस्तान आतंकवाद को समर्थन देता है। अब खुद पाकिस्तान के मंत्री ने ये बात मान ली है, जिससे भारत के दावे और मजबूत हो गए हैं।

आतंक रुपी बुराई के अंत के लिए ताकत की जरुरत-भागवत, आतंकवाद का कोई धर्म नहीं

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने पहलगाम आतंकी हमले के संदर्भ में बड़ा बयान देकर कहा है कि मौजूदा संघर्ष धर्म और अधर्म के बीच है, न केवल किसी संप्रदाय या धर्म के नाम पर। उन्होंने कहा कि जो लोग धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते हैं, वे कट्टरपंथी हैं, और ऐसा आचरण राक्षसी प्रवृत्ति के लोगों हो सकते है। संघ प्रमुख ने आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई की बात कह कर कहा कि अगर हमारे पास शक्ति है, तब दिखानी होगी। आरएसएस चीफ ने कहा, यह लड़ाई संप्रदायों या धर्मों के बीच नहीं है। इसका आधार जरूर धर्म और संप्रदाय है, लेकिन वास्तव में धर्म और अधर्म के बीच की जंग है। उन्होंने कहा, भारतीय सैनिकों या नागरिकों ने कभी किसी की धर्म पूछकर हत्या नहीं की। हिंदू कभी भी धर्म पूछकर हत्या नहीं करते। जो लोग धर्म पूछकर लोगों की हत्या करते हैं, वे कट्टरपंथी हैं, और ऐसा आचरण राक्षसी प्रवृत्ति का परिचायक है। हम गुस्से में हैं लेकिन बुराई को नष्ट करने के लिए ताकत का इस्तेमाल करना होगा। रावण ने अपना इरादा नहीं बदला तब और कोई विकल्प नहीं था। प्रभु राम ने दुचारी रावण को सुधारने का मौका दिया था और उसके बाद मारा था।'' भागवत ने रावण के प्रसंग का उदाहरण देकर कहा, रावण भगवान शिव का भक्त था, वेद जानता था, लेकिन उसका मन और बुद्धि परिवर्तन को तैयार नहीं थे। इसके बाद राक्षस रावण का अंत प्रभु राम ने किया।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान के बीच युद्ध की आशंका, प्रख्यात ज्योतिष की भविष्यवाणी

वाराणसी, 25 अप्रैल (निस) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस घटना में 26 से ज्यादा लोगों की मौत और 20 से अधिक लोग घायल हो गए। आतंकी हमले को देखते हुए भारत सरकार ने कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पाकिस्तान के खिलाफ कई सख्त फैसले लिए हैं। ऐसे में भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई है। अब ज्योतिष के जानकार पंडित भी कह रहे हैं कि ग्रह-नक्षत्र बता रहे हैं कि आने वाले समय में भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव और टकराव बढ़ने वाला है। भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव को देखते हुए युद्ध की आशंकाएं व्यक्त की जा रही हैं। इसी बीच ज्योतिष के प्रख्यात पंडित संजय उपाध्याय ने एक भविष्यवाणी करके चिंता को और गहरा कर दिया है। एक मीडिया से बातचीत में काशी के पंडित संजय उपाध्याय ने ग्रह-नक्षत्र की स्थिति को देखते हुए बताया है कि आने वाले दिनों में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के साथ टकराव और भी बढ़ने की संभावना है।बाद में मेष राशि में प्रवेश करना संघर्षपूर्ण घटनाओं को जन्म दे सकता है। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल (अक्षय तृतीया) और 4-5 मई की तिथियां भारत की दृष्टि से अत्यंत प्रभावशाली और निर्णायक साबित हो सकती हैं।

वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने के लिए नवाचार का मूलमंत्र अपनाना जरुरी-सीएम सैनी

एआई, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और बायोटेक जैसे भारत के नए उभरते क्षेत्र

चंडीगढ़, 25 अप्रैल (अमृतपाल सिंह) हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि नवाचार आज की वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने का एक मूलमंत्र है। एआई, मशीन लर्निंग, रोबोटिक्स, नवीकरणीय ऊर्जा और बायोटेक जैसे क्षेत्र नए भारत के उभरते स्तंभ हैं। हरियाणा ने भी एक मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।मुख्यमंत्री आज पूसा भवन नई दिल्ली में आयोजित समृद्ध एवं महान भारत %इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस विजन 2047% को सम्बोधित कर रहे थे। इस तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस के दूसरे दिन मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के विश्व विद्यालयों में इनक्यूबेशन सेंटर स्थापित किए गए हैं। शिक्षण संस्थानों में टिंकरिंग लैब स्थापित की गई हैं।इसके अलावा अटल इनोवेशन को जमीन पर लागू करने के लिए विद्यार्थियों में अनुसंधान की प्रवृत्ति को बढ़ाया जा रहा है। गुरुग्राम में हरियाणा इनोवेशन हब स्थापित किया गया है। इसके साथ ही हर जिले में भी इनोवेशन हब बनाए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीवन के हर क्षेत्र और विकास के हर पहलू में ए.आई. का बड़ा महत्व है। इसलिए हरियाणा में ए.आई. मिशन का गठन कर गुरुग्राम और पंचकुला में एक-एक हब स्थापित किया जाएगा। इनमें हरियाणा के 50 हजार से अधिक युवाओं और पेशेवरों को अति-आधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षित किया जाएगा। इससे युवा नई नौकरियों और अवसरों के लिए तैयार हो सकेंगे। इस सम्मेलन में स्वदेशी शोध संस्थान, नई दिल्ली, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, इंदिरा गांधी जनजातीय विश्वविद्यालय, मध्य प्रदेश और यूनिवर्सिटी ऑफ एग्डर, नॉर्वे के पदाधिकारियों ने भाग लिया।श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सम्मेलन न केवल एक वैचारिक मंच है, बल्कि यह सबकी साझा आकांक्षाओं, राष्ट्रीय लक्ष्यों और भविष्य की दिशा का निर्धारण करने का एक प्रेरक अवसर है। जनसांख्यिकी का उपयोग और रोजगार के लिए रणनीतियां बड़ा ही समसामयिक और प्रासंगिक है। जनसंख्या का सही उपयोग करने के लिए शिक्षा, उद्यमिता, नवाचार और युवा जनसंख्या स्थायित्व कारगर उपकरण है।मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2047 की कल्पना कीजिए, जिस समय भारत अपनी आजादी की 100वीं वर्षगांठ मना रहा होगा। जब हम अपनी आजादी का उत्सव मनाएंगे, तब यह मूल्यांकन भी करेंगे कि हमने इस आजादी का उपयोग किस दिशा में किया है। भारत को एक समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर बनाने का कार्य किया। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है।उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य हम सभी 140 करोड़ भारतीयों का सामूहिक संकल्प है। यह हमें उस भारत की ओर ले जाता है जो आर्थिक रूप से सशक्त, सामाजिक रूप से समावेशी और शैक्षणिक एवं तकनीकी रूप से अग्रणी, सभी क्षेत्रों में आत्मनिर्भर तथा विश्व का नेतृत्व करने की क्षमता रखता हो।

यह सबको साथ लेकर सबके सपनों को साकार करने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा युवा देश है।

एलओसी पर भारत ने किया सैन्य अभ्यास, लंबी दूरी तक मारक क्षमता का परीक्षण

नई दिल्ली, 25 अप्रैल (निस) पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध जैसे हालात बन गए हैं। इस बीच भारतीय वायुसेना ने बीती रात कश्मीर में अभ्यास किया। ये अभ्यास श्रीनगर रनवे से कश्मीर में एलओसी तक के इलाके में किया गया। भारतीय सेना ने 'आक्रमण' नाम से सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इस बीच एलओसी पर रात में पाकिस्तान ने कई जगहों पर गोलीबारी की। इसके जवाब में भारत की ओर से भी गोलीबारी की गई। उधर, पाकिस्तान की सेना ने अपने जवानों की छुट्टी रद्द कर दी है। भारत के पीएम नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को खुले तौर पर पहलगाम हमले के बाद आतंकवादियों को चुन-चुन कर मारने की बात कही थी। पीएम के संदेश के बाद पाकिस्तान डरा हुआ है। भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है। भारत सरकार के एक आदेश पर वह सीमा पार जाकर भी कार्रवाई कर सकती है।

इस बीच सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी श्रीनगर पहुंच गए हैं। उनका कश्मीर घाटी में तैनात वरिष्ठ सैन्य कमांडरों और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारियों से मिलने का कार्यक्रम है। वे घाटी में मौजूदा सुरक्षा स्थिति और नियंत्रण रेखा पर पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम का उल्लंघन करने के प्रयासों की समीक्षा करेंगे। इसके साथ ही वह पहलगाम भी जा सकते हैं। इस आतंकी हमले को लेकर पूरी दुनिया भारत के साथ खड़ी है। कई देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने पीएम मोदी से फोन पर बात की और आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता दिखाई।

लंबी दूरी तक मारक क्षमता का परीक्षण-सूत्रों के मुताबिक, इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना ने पहाड़ी और जमीनी ठिकानों पर हमला करने की तैयारी की है। इस एक्सरसाइज के तहत, वायुसेना के पायलट्स रियल वॉर सिचुएशन में दुश्मन के ठिकानों पर लंबी दूरी से बमबारी कर रहे हैं। पूर्वी सेक्टर से वायुसेना के कई उपकरणों को सेंट्रल सेक्टर में भेजा गया है, ताकि रणनीतिक रूप से पूरे इलाके में मारक क्षमता का परीक्षण किया जा सके।

आधुनिक तकनीक से लैस लड़ाकू विमान-इस युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना के अत्याधुनिक लड़ाकू विमान हिस्सा ले रहे हैं, जो ग्राउंड अटैक, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर और स्ट्राइक मिशन की तैयारियों में जुटे हैं। इसमें वायुसेना के टॉप पायलट्स की टीम हिस्सा ले रही है, जो युद्ध की स्थिति **शेष अंतिम पृष्ठ पर**

सम्पादकीय

जनता का बढ़ता आक्रोश

जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकियों ने 26 से ज्यादा पर्यटकों की हत्या कर दी। कई गंभीर रुप से घायल पर्यटकों का अस्पतालों में इलाज चल रहा है। जिन पर्यटकों का निधन हुआ था उनके शव देश भर के विभिन्न राज्यों में भेजे गए हैं। जहां पर उनका अंतिम संस्कार हो रहा है। घटना के दो से तीन दिन बाद तक मारे गए पर्यटकों का अंतिम संस्कार विभिन्न स्थानों पर हो रहे थे। इस बीच केंद्र सरकार, राज्य सरकार के मंत्री और भाजपा के नेता अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए पहुंचे वहां पर जनता का आक्रोश खुलकर देखने को मिला। गुजरात के शैलेश कलथिया की अंत्येष्टि में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एस आर पाटिल पहुंचे थे। वहां पर उन्हें मृतक की पत्नी के गुस्से का सामना करना पड़ा। जिस तरह का आक्रोश उसने दिखाया है, उसको देखते हुए केंद्रीय मंत्री अवाक होकर रह गए। स्थानीय लोगों का गुस्सा इस बात पर भी भड़क गया, कि फोटो खिंचवाने के लिए केंद्रीय मंत्री पहुंच रहे थे, जिसके कारण 15 मिनट तक अर्थी को सड़क पर रखना पड़ा। राजस्थान और हरियाणा में भी जब मुख्यमंत्री मृतकों को श्रद्धांजलि देने अंत्येष्टि में पहुंचे तो वहां पर भी उन्हें काफी आक्रोश का सामना करना पड़ा। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और केंद्रीय मंत्री गजेंद्र शेखावत तथा हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी जी को लोगों के क्रोध का सामना करना पड़ा है। पहलगाम की घटना में विभिन्न राज्यों के पर्यटकों की मौत हुई है। लगभग सभी स्थानों में जनता की ओर से गुस्से में कहा जा रहा कि यह सरकार का फेलियर है। लाखों जवान जम्मू कश्मीर में तैनात है, उसके बाद भी पर्यटक सुरक्षित नहीं हैं। जिस स्थान पर घटना हुई है वहां एक भी सुरक्षा कर्मी और पुलिसकर्मी उपस्थित नहीं थे। गुजरात की शीतल बैन ने यहां तक कह दिया- जनता के टैक्स के पैसे से नेता हवाई जहाज और हेलीकॉप्टर पर चलते हैं। उनकी सिक्योरिटी में गाड़ियों के काफिले चलते हैं। टैक्स देने वालों की क्या कोई जिंदगी नहीं है। पिछले कई वर्षों से हिंदू-मुसलमान को लेकर भारत में जो शंखनाद हो रहा है। वह चरम पर पहुंचकर अब उसकी गूंज धीरे-धीरे धीमी पड़ती जा रही है। इस बात को भाजपा और संघ को समझना होगा। जहां डबल इंजन की सरकार है उन्हें भी समझना होगा युद्ध के ढोल नगाड़े और शंखनाद कुछ समय के लिए ही प्रभावी साबित होते हैं। यह लोगों में आक्रोश पैदा करते हैं लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता जाता है, उसके बाद इनका कोई महत्व नहीं रह जाता है। अयोध्या में राम मंदिर बनने के बाद तथा पहलगाम की जो घटना अभी हाल ही में हुई है, उससे भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों को सबक लेने की जरूरत है। हिंदू-मुसलमान के नाम पर गोदी मीडिया ने एक नेरेटिव चलाने का प्रयास किया था लेकिन देशभर में उसका कोई असर देखने को नहीं मिला। जम्मू-कश्मीर में पहुंच बंद रखा गया। वहां के लोग आतंकवादी घटना के खिलाफ सड़कों पर आ गए। यही स्थिति देश के विभिन्न राज्यों में देखने को मिली। सभी राजनीतिक दलों ने भी इस घटना की निंदा करते हुए घटना को सांप्रदायिक रंग में रंगने नहीं दिया है। देश की जनता ने भी अपनी-अपनी जगह पर घटना का विरोध करते हुए अपना आक्रोश व्यक्त किया है। गोदी मीडिया के खिलाफ भी अब लोगों में आक्रोश देखने को मिल रहा है। लोगों की यह धारणा बनने लगी है कि गोदी मीडिया तथ्यों को छुपाता है। हिंदू-मुसलमान के बीच अलगाव पैदा करने के लिए संयोजित रूप से नेरेटिव बनाता है। पहलगाम में हुई घटना की जिस तरह से नेशनल मीडिया ने कवरेज की है। उस पर भी जनता ने अपना आक्रोश खुलकर व्यक्त किया है। कुछ महीनों बाद बिहार के चुनाव हैं। जब भी कहीं चुनाव होते हैं उसके पहले इस तरीके की घटनाएं पिछले कई बार देखने को मिली हैं, उसके कारण अब जनता इन पर भरोसा और विश्वास नहीं कर पा रही है। जनता को भी लगने लगा है कि इस तरह की घटनाएं चुनावी रणनीति के तहत जानबूझकर कराई जाती हैं। पहलगाम में हुई घटना के बाद जिस तरह से मुसलमानों ने बढ़-चढ़कर इस घटना का विरोध किया उसने आसमाजिक और सांप्रदायिक तत्वों को स्तब्ध कर दिया है। जो सवाल विभिन्न राजनीतिक दल के नेता सरकार से करते थे अब उसी तरह के सवाल-जवाब जनता की ओर से होने लगे हैं। जनता का आक्रोश भी अब समय-समय पर देखने को मिलने लगा है। वर्तमान परिस्थितियों में सरकार को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी जिस तरह से देश में बेरोजगारी महंगाई और अन्य समस्याएं हैं। लोगों का दैनिक जीवन मुश्किल भरा हो गया है। ऐसी स्थिति में अब सांप्रदायिकता का मलहम ज्यादा दिनों तक काम नहीं आएगा। समाज के सभी वर्गों का आक्रोश अब सामने दिखने लगा है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि जो हालात 1975 में महंगाई, बेरोजगारी के कारण बने थे, उसने सारे देश में युवाओं और सभी वर्गों को उद्वेलित कर दिया। 1975 में देश भर में आंदोलन हुए जिसके कारण आंतरिक कानून व्यवस्था खराब स्थिति में पहुंच गई थी जो बाद में आपातकाल का कारण बनी। लगभग वही स्थितियां अब दिखने लगी हैं। विशेष रूप से युवाओं में सरकार के प्रति नाराजी देखने को मिल रही है। समय रहते इस पर नियंत्रण की जरूरत है।

कश्मीर में आतंक के खिलाफ सख्त फैसले का वक्त

- प्रभुनाथ शुक्ल

भारत में हिंदुओं पर सामुदायिक हिंसा की बढ़ती घटनाओं ने सरकार और देश की सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी चुनौती खड़ी कर दिया है। अपने ही देश में बहुसंख्य हिंदू हिंसक घटनाओं का शिकार हो रहा है। वैसे सामुदायिक और नस्लीय हिंसा पूरी दुनिया के लिए चिंता का विषय है। लेकिन भारत के आसपास पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हमले और हिंसा बढ़ गए हैं। नेपाल जैसे देश में भी रामनवमी जुलूस पर हिंसा को अंजाम दिया गया। भारत के पड़ोसी इस्लामिक देश में हिंदुओं की स्थिति बद से बदतर है। जबकि ये कभी भारत के हिस्सा थे।यहाँ हिंदुओं पर लगातार धार्मिक उत्पीड़न और हिंसा की घटनाएं भारत की चिंता को बढ़ा दिया है। आतंकवाद से लड़ रहे भारत के सामने सामुदायिक हिंसा की घटनाएं बड़ी चुनौती बन रहीं हैं। सबसे अहम मुद्दा यह है कि अपने देश में ही हिंदू बाहुल्य होने के बाद भी हिंदू सामुदायिक हिंसा का शिकार बन रहा है। जबकि चीन में उइगर मुसमानों का दमन किसी से छुपा नहीं है, लेकिन चीन के खिलाफ पाकिस्तान, बांग्लादेश खामोश है। कश्मीर हुआ नरसंहार इसका ताज़ा उदाहरण है। भारत में इस तरह की हिंसा के पीछे वोटबैंक के लिए राजनैतिक तुष्टिकरण सबसे बड़ी समस्या है। भारत में हिंदुओं पर हिंसक हमले इस्लामिक आतंकवाद की एक सोची समझी रणनीति है। पाकिस्तान, बांग्लादेश में हिंदुओं का सफाया हो रहा है जबकि अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी गिनती पर आ गईं है। भारत में इस तरह के सामुदायिक और धार्मिक दंगे भड़काने के लिए पाकिस्तान मूल रूप से जिम्मेदार है। लेकिन हम इस तरह की बात कर अपनी जिम्मेदारी से बच भी नहीं सकते हैं। भारत इस्लामिक आतंकवाद से तो हमेशा से पीड़ित रहा है। लेकिन हाल के वर्षों में राजनैतिक कारणों और उसके फैसलों से देश में सामुदायिक हिंसा, प्रदर्शन और पत्थरबाजी की घटनाएं बढ़ गईं हैं। दोनों समुदायों में एक दूसरे के प्रति नफरत और डर का माहौल पैदा हुआ है। इस तरह की सामुदायिक हिंसा के पीछे सामाजिक, आर्थिक, राजनीति, सोशलमीडिया और धार्मिक कारण मुख्य हैं, जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं देश के धार्मिक और सांप्रदायिक तानेबाने को विभाजित करती दिखती हैं।

जम्बू -कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने जिस तरह निर्दोष पर्यटकों का नरसंहार किया वह मानवता के खिलाफ है। इस हिंसा में 26 लोगों की मौत हुई और कई घायल हुए। आतंकवादियों ने सिर्फ हिंदुओं को निशाना बनाया और उनका धर्म पूछ कर उन्हें गोलीबारी मारी। हालांकि की कश्मीर में इस नरसंहार को लेकर काफी गुस्सा देखा जा रहा है। कश्मीर में इस बात पर भी गुस्सा है कि हमले में सिर्फ हिंदू मारे गए। लोगों का कहना है कि पर्यटकों की जान बचाने के लिए दो स्थानीय मुस्लिम और ईसाई, जैन भी मारे गए है। मीडिया का यह रुख गलत है। पूरा कश्मीर पीड़ित परिवारों के साथ है। आतंकियों को फांसी देने की भी बात कहीं गई है। देश के कई हिस्सों में मुस्लिम संस्थाओं ने प्रदर्शन कर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी भी किया है।

इस साजिश के पीछे हाल में पाकिस्तान आर्मीचीफ जनरल कियानी की तरफ से भारत और हिंदुओं के खिलाफ दिया गया वह उसकाऊ बयान भी अहम माना जा रहा है जिसमें उन्होंने हिंदुओं के खिलाफ भड़काने वाला बयान दिया था। कियानी के बयान के ठीक कुछ दिन बात पहलगाम में आतंकी हमला हुआ है जिसमें पर्यटकों का धर्म पूँछ कर नरसंहार किया गया। यह पाकिस्तान की सोची समझी रणनीति है, क्योंकि वह भारत से सीधीजंग में कभी नहीं जीत सकता है। ऐसी स्थिति में वह हिंदुओं को निशाना बनाकर भारतीय मुसलमानों का मसीहा बनना चाहता हैएवं कश्मीर में अलगाववाद की नींव और मजबूत करना चाहता है। खैबरपखतून में बलोच आर्मी की तरफ से किए ट्रेन हाईजैक के पीछे वह भारत का हाथ मानता है। जिसकी वजह से वह बौखलाया था और बदले के लिए बेताब था। लेकिन वह जो कर रहा है उसकी भरपाई उसे करनी होगी।

कश्मीर में धारा 370 खत्म होने के बाद कश्मीर आहिस्ता -आहिस्ता विकास की मुख्यधारा में लौट रहा है। आतंकी घटनाएं कम हुईं हैं। पर्यटकों की आमद बढ़ने लगी है। सेबों की खेती लहलाहने लगी है। यह सब देख पाकिस्तानी फ़ौज में बौखलाहट है जिसकी वजह से वह इस तरह की सामुदायिक हिंसा की साजिश रच रहा है। कश्मीर में आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सामुदायिक हिंसा की यह पहली घटना नहीं है। आतंकवादियों ने पुलवामा जैसी घटनाओं को अंजाम दिया है। कश्मीर में साल 2019 के बाद धारा 370 लागू होने के बाद यह पहली सबसे बड़ी आतंकी नरसंहार की घटना है। दूसरा समझे अहम कारण कश्मीर के राजनैतिक और अलगाववादी कभी शान्ति और विकास नहीं चाहते हैं। क्योंकि धारा 370 खत्म होने के बाद उनकी तमाम स्वतंत्रता जहाँ बाधित हुईं वहीं आर्थिक नुकसान हुआ है। वहां के राजनेताओं और अलगाववादियों का पाकिस्तान प्रेम दुनिया में जगजाहिर है। इसके बावजूद धारा 370 का खात्मा, तीन तलाक कानून और वक्फ संशोधन जैसे राजनैतिक फैसले इस आग में घी का काम किया है। हालांकि यह आम मुसलमानों और कश्मीरियों की सोच नहीं है। यह सिर्फ अलगाववादियों की सोच है।

पहलगाम में हिंदुओं के साथ विदेशी नागरिक और नेवी में कार्यरत जवान की भी मौत हुईं है। जोड़ा शादी के बाद हनीमून मानाने गया था जो निर्मम आतंकी साजिश का शिकार हुआ है। नरसंहार के बाद भारतीय सेना के लोगों के पहुंचने के बाद भी लोग इतने दहशत में थे कि उन्हें भी आतंकी समझ लिया। इस घटना में केंद्र और राज्य सरकार अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकती। जब वहां काफी तादात में पर्यटकों की आमद हो रहीं थी तो पर्यटकों की सुरक्षा के लिए सेना और राज्य पुलिस के जवानों की तैनाती क्यों नहीं की गईं। क्योंकि एलओसी से सटे कश्मीरी जिलों में आतंकवाद खूब फलता -फूलता रहा है। कियानी के विभाजन कारी संदेश को हमारी सरकार, खुफ़िया एजेंसिया और सुरक्षा एजेंसिया नहीं समझ पाईं। ऐसे संवेदनशील पर्यटक स्थलों पर सुरक्षा के सख्त इंतजाम होने चाहिए थे। क्योंकि यह इलाका काफी ऊंचाई पर है जहाँ का प्राकृतिक लुत्फ़ उठाने के लिए भारी तादात में देशी- विदेशी पर्यटक आ रहे थे। यह इलाका एलओसी से सटा है और प्राकृतिक जाटिलताओं से भरा है। ऊँचे पहाड़, नदिया घने -जंगल, देवदार और चीड़ के पेड़ यहाँ की प्राकृतिक सुंदरता को और बढ़ाते हैं। यहाँ आतंकवादियों की पहुँच जटिल होने के बाद लेकिन सुगम है। यहाँ की संवेदनशीलता को देखते हुए अगर हमारी सुरक्षा एजेंसियां सतर्क होती तो निश्चित रूप से इस नरसंहार से बचा जा सकता था। राज्य में इस तरह की घटनाएं पर्यटन उद्योग और उसकी संभावनाओं पर पानी फेरती हैं। हम अपनी चूक और नाकामियों से नहीं बच सकते। यह गंभीर मंथन का विषय है। कश्मीर के पर्यटन स्थलों पर हमें सुरक्षा व्यवस्था को सख्त रखना होगा। भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने होंगे। यह हमला भारत की आत्मा पर है यह राजनीति का वक्त नहीं है। सारा देश गुस्से में है।

हिन्दी को लेकर वेलः मीडिया एवं मनोरंजन स्टार्टअप को गति देना

किरण मजूमदार-शॉ
बायोकॉन समूह की अध्यक्ष

वैश्विक व्यापार शुल्क और शेयर बाजार की अस्थिरता के समक्ष भारत एक उदार अर्थव्यवस्था के रूप में मज़बूती से आगे बढ़ रहा है। अपनी जनसांख्यिकीय और तकनीकी क्षमताओं का लाभ उठाते हुए, भारत चुनौतियों को अवसरों में परिवर्तित करते हुए स्वयं को वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है। एक समृद्ध कहानी कहने की परंपरा के साथ, भारत का मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र भारत में निर्माण करें, दुनिया के लिए निर्माण करें दृष्टिकोण के माध्यम से दुनिया भर के रचनाकारों को जोड़ने का लक्ष्य रखता है।

भारत फिल्म, संगीत, कला और प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में युवा रचनाकारों की बढ़ती आबादी वाला राष्ट्र है। विशेष रूप से, नमित मल्होत्रा के डीएनईजी ने दृश्य प्रभाव और एनीमेशन स्टूडियो के माध्यम से ड्यून 2 की ऑस्कर अर्जित सफलता में अभूतपूर्व वीएफएक्स का प्रदर्शन किया। यह भारत की 7वीं ऑस्कर सफलता थी जिसने वैश्विक मनोरंजन उद्योग में भारत के बढ़ते प्रभाव को उजागर किया। पारंपरिक फिल्म निर्माण से डिजिटल निर्माण तक की विकास यात्रा विश्व स्तरीय कंटेन्ट बनाने में देश की क्षमता को दर्शाती है। भारत सरकार के विश्व श्रव्य-दृश्य मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 के अंग, वेव स एक्सेलरेटर (वेवएक्स) का उद्देश्य युवा रचनाकारों को उद्योग जगत प्रमुखों से जोड़ना और स्टार्टअप विकास को बढ़ावा देना है। मई 2025 में मुंबई में होने वाला वेव?स, संरक्षण, वित्त पोषण और वैश्विक अवसर प्रदान करते हुए भारत के मीडिया और मनोरंजन स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ाने की दिशा में प्रयासरत है। इस क्षेत्र में वर्ष 2023 के 2,422 बिलियन रूपए से 2027 तक 3,067 बिलियन रूपए तक की वृद्धि होने का अनुमान है, जिसमें गेमिंग, एआई और मेटावर्स जैसे अभिनव क्षेत्र शामिल हैं।

पहचान स्थापित करने की चुनौतियों के बावजूद, वेव्स- ब्रह्मन गेम स्टूडियो, कीबाउंड और वायॉन क्लाउड जैसे स्टार्टअप के लिए वैश्विक निवेशकों के समक्ष अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। इस पहल में लैपविंग स्टूडियो और वाइगर मीडिया जैसे महिलाओं के नेतृत्व वाले स्टार्टअप भी शामिल हैं, जो मीडिया और मनोरंजन इकोसिस्टम के भीतर समावेशिता को बढ़ावा देते हैं। वेव्स एक ऐसा गतिशील और प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है जो अंतरराष्ट्रीय सफलता के लिए लॉन्चपैड के रूप में कार्य करेगा। वेवएक्स सीधे पूंजी, सलाह और वैश्विक प्रदर्शन में आने वाली बाधाओं का समाधान उपलब्ध कराते हुए न केवल वित्तीय सहायता प्रदान करेगा बल्कि विकास के लिए एक सुव्यवस्थित इकोसिस्टम भी प्रदान करेगा। मात्र 10,000 रुपये और एक विजन के साथ शुरू किए गए बायोकॉन के बाद, मैं ऐसे प्रेरणादायी प्लेटफार्मों के महत्व को समझती हूं। रचनात्मक केन्द्र म्यूज़ियम ऑफ़ आर्ट एंड फ़ोटोग्राफ़ी (एमएपी) और साइंस गैलरी बेंगलुरु जैसी पहलों के माध्यम से कला के समर्थक के तौर पर, मेरा मानना है कि किसी देश की संस्कृति उसकी कला और विज्ञान दोनों में निहित होती है। कला और विज्ञान दोनों ही रचनात्मकता में निहित हैं; वैज्ञानिक भी प्रयोगशालाओं में उसी तरह प्रयोग करते हैं जैसे कलाकार कैनवास पर करते हैं। अपने जनसांख्यिकीय लाभ, तकनीकी क्षमताओं और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के शानदार सामंजस्य के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा भारत रचनात्मकता का एक समृद्ध केंद्र है। भारत में यह समायोजन सिर्फ़ दार्शनिक नहीं है अपितु व्यावहारिक भी है, उद्योगों को आकार दे रहा है और मीडिया एवं मनोरंजन क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा दे रहा है। सदियों से चली आ रही कहानी कहने की परंपरा के साथ, भारत एक वैश्विक रचनात्मक शक्ति के रूप में उभरने के मामले में बेहद शानदार स्थिति में है। शास्त्रीय नृत्य से लेकर सिनेमा तक और कॉमिक्स से लेकर इमर्सिव तकनीक तक, हम एक रोमांचक युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां रचनात्मकता अत्याधुनिक नवाचार के साथ जुड़ती है।'भारत में निर्माण करें, दुनिया के लिए निर्माण करें' की अवधारणा इस महत्वाकांक्षा को पूरी तरह से दर्शाती है। रचनात्मक स्टार्टअप के लिए प्रेरणादायी वेव्स तकनीक और कहानी कहने की सुंदर समाभिरूपता का उदाहरण है। वेवएक्स एनिमेशन, एआई, एआर/वीआर, गेमिंग और मेटावर्स जैसे अभिनव क्षेत्रों में स्टार्टअप का समर्थन करके इसका लाभ उठाने के लिए तैयार है।

वेव्स बाज़ार के लिए 4500 से ज़्यादा विक्रेता और 5,900 से ज़्यादा खरीदार पंजीकृत हैं, इस पहल से भारतीय स्टार्टअप को वैश्विक कंपनियों से जोड़ने का वादा किया गया है, जिससे वैश्विक मीडिया और मनोरंजन परिदृश्य में भारत के अग्रणी बनने की गति में तेजी आएगी। नवाचार को भी बढ़ावा देता है। एरुकैनाविस टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियाँ एआई-संचालित विज्ञापनों में अग्रणी हैं, जबकि अमेज स्टूडियो और ऑफ़लाइन ह्यूमन स्टूडियो एनिमेशन और वीआर के माध्यम से कहानी कहने को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। इनस्केप एक्सआर और विज़न इम्पैक्ट जैसे एड-टेक उद्यम इमर्सिव मीडिया के साथ इस क्षेत्र के शिक्षण कौशल को नया रूप दे रहे हैं। साथ में, ये स्टार्टअप भारत के रचनात्मक इकोस्स्टम की विशाल क्षमता और वैश्विक प्रासंगिकता को उजागर करते हैं।

भविष्य के लिए एक अवधारणा

भारत को लंबे समय से अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और रचनात्मकता की चिरस्थायी विरासत के तौर पर जाना जाता है। यह रचनात्मक ऊर्जा हमारे युवाओं में सबसे जीवंत अभिव्यक्ति रखती है और यही आज के निर्माता और कल के दूरदर्शी भी हैं। फिल्म, संगीत, एनीमेशन, गेमिंग और डिजिटल मीडिया में, युवा भारतीय निर्माता सीमाओं को नया आकार दे रहे हैं और शैलियों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। इस क्षमता को पोषित करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता वेव?स जैसी पहलों के लिए इसके समर्थन में स्पष्ट है, जिसे मीडिया और मनोरंजन क्षेत्र में एक गतिशील, अभिनव और वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी स्टार्टअप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। आज, वेव्स के माध्यम से, हम न केवल स्टार्टअप में निवेश कर रहे हैं, बल्कि हम कहानी कहने, आत्म-अभिव्यक्ति और रचनात्मक अर्थव्यवस्था में भी निवेश कर रहे हैं जो भविष्य को परिभाषित करेगी।

कश्मीर अब राजनीतिक नहीं कानून व्यवस्था की समस्या

- मुस्ताअली बोहरा

कभी पृथ्वी का स्वर्ग कहे जाने वाले कश्मीर की खूबसूरत वादियां एक बार फिर दहल गईं। हालांकि, ये कोई पहला मौका नहीं था जब आतंकियों ने निर्दोष लोगों की जान ली हो लेकिन जिस तरह से मजहब पूछ कर गोली मारी गई उससे साफ है कि पाकिस्तान, भारत में सामाजिक सदभाव बिगाड़ना चाहता है। हालांकि वो अपने इस मकसद में कभी कामयाब नहीं होगा। इस घटना के बाद कश्मीर की मस्जिदों से आतंक के खिलाफ आवाज बुलंद हुई। जगह-जगह मुसलमानों ने कैंडल मार्च निकालकर अपना गम जाहिर किया और चरमपंथियों की इस कायराना हरकत पर अपना गुस्सा जाहिर किया, उसने ये जता दिया कि भारत के मुसलमान आंतक के साथ नहीं है। कश्मीर के खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटक स्थलों में से एक पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 लोगों को जान गंवानी पड़ी। जिस तरह से पर्यटकों को निशाना बनाया गया उससे जाहिर है कि आंतकी चाहते हैं माहौल बिगड़े और सैलानियों में खौफ पैदा हो। यहां ये भी बताना लाजमी होगा कि पिछले कुछ वर्षों में कश्मीर में सैलानियों की तादाद लगातार बढ़ रही थी। यहां साल भर में कोई दो करोड़ से ज्यादा पर्यटक पहुंच रहे थे। पर्यटकों की बढ़ती तादाद से ये जाहिर हो गया था कि घाटी में हालात सामान्य हो रहे हैं। लेकिन इस घटना ने कश्मीर के पर्यटन उद्योग को भी क्षति पहुंचाई ही है साथ ही यहां के खुफिया तंत्र की खामियां भी सामने ला दीं हैं। इससे पहले भी आंतकवादी हमले करते रहे हैं। कभी तीर्थयात्रियों की बस पर हमला किया तो कभी जवानों के वाहन पर। एक सुरंग निर्माण स्थल के करीब उन्होंने गोलीबारी करके छह प्रवासी श्रमिकों और एक चिकित्सक की हत्या कर दी थी। इससे भी चिंताजनक बात यह है कि आतंकियों ने अपने पारंपरिक दायरे का विस्तार घाटी से जम्मू तक कर लिया। पिछले चार सालों में ढाई दर्जन से ज्यादा हमले हो चुके हैं इनमें कई नागरिकों की मौत हुई। हालिया घटना के पीछे कई वजह सामने आ रही है। अव्वल तो कनाडाई-अमेरिकी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण से जोड़कर देखा जा रहा है। अमेरिका द्वारा उसे भारत को सौंपे जाने से पाकिस्तान बौखलाया हुआ है। इसके अलावा अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की भारत यात्रा पर आए थे और ठीक ऐसे ही वक्त आंतकियों ने हमला किया। ये माना जा रहा है कि पाकिस्तान इंटरनेशनल लेबल पर कश्मीर को मुददा बनाए रखना चाहता है। इस हमले की साजिश रचने वाले चाहते थे कि कश्मीर को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित किया जाए। इसीलिए हमला तब किया गया, जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत के दौरे पर थे और पीएम मोदी सऊदी अरब के दौरे पर थे। ये पहली बार नहीं है जब अमेरिकी नेताओं के भारत दौरे के समय कश्मीर में चरमपंथी हमला हुआ है। 20 मार्च 2000 को चरमपंथियों ने अनंतनाग के छत्तीसिंहपोरा में हमला कर 36 सिख ग्रामीणों को मार डाला था। तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के भारत दौरे के एक दिन पहले ये हमला हुआ था। तब भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसके लिए सीधे तौर पर पाकिस्तान को दोषी ठहराया था। दो साल बाद 14 मई 2002 को अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री क्रिस्टिना रोका के भारत दौरे के समय चरमपंथियों ने फिर हमला किया। इस बार उन्होंने पहले कश्मीर के कालूचक में यात्रियों से भरी बस पर हमला किया और फिर आर्मी फैमिली क्वार्टरों को निशाना बनाया।

इस हमले में 23 लोग मारे गए थे और 34 लोग घायल हो गए थे। मृतकों में दस बच्चे भी शामिल थे। चरमपंथी हमलों का मकसद कश्मीर मुद्दे पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय का ध्यान खींचना और यहां के पर्यटन उद्योग को कमजोर करना है। इसके अलावा पाकिस्तान के सेना प्रमुख ने कुछ ही दिन पहले कहा था कि कश्मीर उनके देश की 'गर्दन की नस' है। खुफिया एजेंसियों ने उनके बयान को आसन्न आतंकवादी हमले का संकेत माना। आतंकियों ने लोगों की धार्मिक पहचान की जांच करने के बाद उन पर हमला किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दो दिवसीय दौरे पर जेद्दा पहुँचे थे। पाकिस्तान को मोदी का ये दौरा भी कहीं ना कहीं खल रहा था। इस हमले के बाद पीएम मोदी ने सऊदी अरब का दौरा संक्षिप्त कर दिया और बीच में ही स्वदेश लौट आए।

राजधानी में दो युवकों का कत्ल सनसनीखेज वारदात से इलाके में फैली दहशत

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) बाहरी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में सोमवार देर रात कूड़ा बीनने के विवाद में एक शख्स ने दो युवकों की चाकू घोंपकर हत्या कर दी। इस हमले में मृतकों का एक साथी भी चाकू लगने से घायल हो गया। पुलिस हत्या और हत्या के प्रयास की धारा में मुकदमा दर्ज कर हमलावर की तलाश में जुटी है। बताया गया कि 21 अप्रैल को रात में लगभग 00:45 बजे बीजेआरएम अस्पताल से घटना के बारे में थाना आदर्श नगर को सूचना मिली थी। दोनों व्यक्तियों को एक-एक चाकू लगा था और उपचार के दौरान उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। वहीं, तीसरे व्यक्ति आबिद (पुत्र मोहम्मद हनीफ, निवासी वागाबोंड), जिसके दाहिने हाथ पर चाकू लगा है और उसका उपचार चल रहा है। घायल पीड़ित आबिद के बयान के आधार पर, यह पता चला है कि यह घटना मुख्य जीटीके रोड पर आजादपुर सब्जी मंडी में लाल बत्ती के पास मामूली कहासुनी के बाद हुई।

केंद्र ने दिल्ली को क्यों लगाई फटकार टेंशन में आए 73 लाख राशन लाभार्थी

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) फूड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एफसीआई) के गोदामों से अप्रैल माह का राशन अभी तक भी नहीं उठाए जाने पर केंद्र ने दिल्ली को कड़ी फटकार लगाई है। साथ ही 10 दिन की विशेष मोहलत देते हुए राशन उठान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। ऐसा नहीं किए जाने पर राशन लैप्स हो जाने की चेतावनी भी दी है। गौरतलब है कि दिल्ली में लगभग 17.80 लाख राशन कार्ड व 73 लाख के आसपास राशन लाभार्थी हैं। 1953 उचित दर यानी राशन की दुकानें हैं। इन दुकानों के लिए प्रत्येक माह एफसीआई के दिल्ली स्थित छह गोदामों से राशन का उठान होता है।

चिल्लाकर बोले- तू बचकर रह ले हम गोली मार देंगे हैरान कर देगा कोर्ट के अंदर का दूसरा मामला

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) कानून व्यवस्था को ठेंगा दिखाते हुए द्वारका के ककरौला गांव में एक जज को गोली मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी वैगनआर कार में आए थे। जज की शिकायत पर द्वारका नार्थ थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। कार के नंबर का पता लगाकर उसके मालिक की भी पहचान की जा रही है। जज शिव कुमार ने पुलिस को बताया कि एक अप्रैल को शाम को वह घर से पैदल अक्षय पब्लिक स्कूल की ओर जा रहे थे, तभी पीछे से ग्रे रंग की वैगनआर तेजी से उनकी ओर आई। कार में दो युवक थे। एक युवक कार चला रहा था, जबकि दूसरा उसके बगल में बैठा था। शिव कुमार के अनुसार, बदमाशों ने कार को किताबों के गोदाम के पास, उनसे करीब 10 मीटर पीछे रोका और चार-पांच बार हॉर्न बजाया। जब उन्होंने पीछे मुड़कर देखा, तो उनमें से एक युवक ने जोर से चिल्लाकर धमकी दी, 'तू बचकर रह ले, हम गोली मार दिया करें। कम बोला कर अगर जीना चाहता है तो।

मधुबन चौक पर बनेगा दिल्ली का तीसरा स्काईवॉक

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली को जल्द ही तीसरा स्काईवॉक मिलेगा। इसे पीतमपुरा स्थित व्यस्ततम चौराहे में से एक मधुबन चौक पर बनाया जाएगा। लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने इसका प्रस्ताव तैयार करके मंत्री को भेजा है। यह स्काईवॉक कुल तीन हिस्सों में बनेगा। जिससे राहगीरों को सड़क पार करने के अलावा दो मेट्रो स्टेशनों से बिना ट्रैफिक के बीच जाए सीधे कनेक्ट होना आसान होगा। सूत्रों की माने तो मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह प्रस्ताव तैयार किया जा चुका है। इसका निर्माण भी डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल निगम) करेगा। लेकिन निर्माण के लिए पीडब्ल्यूडी डीएमआरसी को बजट देगा। पीतमपुरा का मधुबन चौक सबसे व्यस्त चौराहे में से एक है। चौराहे के आस-पास एक बड़ा मॉल, रोहिणी कोर्ट और पीतमपुरा का बाजार है। यह चौराहा आउटर रिंग रोड, रिठाला, जीटी करनाल रोड व वजीरपुर जाने वाली सड़कों आपस में जोड़ता है। इसी चौक के पास वर्तमान में रेड लाइन (दिलशाद गार्जन से रिठाला) का पीतमपुरा स्टेशन मौजूद है। इस स्काईवॉक की अनुमानित लागत 17.5 करोड़ रुपये है। अधिकारियों ने बताया कि पहले पीडब्ल्यूडी की योजना पीतमपुरा के दो मेट्रो कॉरिडोर को जोड़ने के लिए 800 मीटर लंबा फुटओवर ब्रिज बनाने की थी। हालांकि अब यहां स्काईवॉक बनाया जाएगा। मधुबन चौक सड़क हादसों के लिहाज से ब्लैक स्पॉट की श्रेणी में रह चुका है। 2020 से 2023 के बीच अकेले इस स्पॉट पर हर साल बड़ी संख्या में हादसे हो रहे थे जिसमें 10-11 लोगों की मौत हो रही थी। वर्ष 2023 में तत्कालीन सरकार ने डब्ल्यूआरआई के साथ मिलकर राहगीरों के लिए इस सड़क को सुरक्षित बनाया था। सड़क पर मार्किंग की गई थी। राहगीरों के लिए अलग जगह चिन्हित की गई थी, जिसके बाद सड़क हादसे कम हुए। मगर भीड़ के चलते खतरा बना रहता है। इससे पहले दिल्ली का पहला स्काईवॉक आईटीओ पर बनाया गया था, जो तिलक मार्ग, प्रगति मैदान और सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन को जोड़ता है। दूसरा साउथ कैंपस में स्थित है। अब तीसरा मधुबन चौक पर बनाने की योजना है।

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले टीएस सिंहदेव ङ्क आतंकवाद के समूल नाश का समय, सरकार को तय करना होगा टारगेट

रायपुर 25 अप्रैल (निस) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले पर छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बिलासपुर दौरे पर मीडिया से बातचीत में सिंहदेव ने कहा कि जैसे केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य तय किया है, उसी तरह पूरे देश से आतंकवाद खत्म करने का स्पष्ट टारगेट भी तय किया जाना चाहिए। उन्होंने हमले को अमानवीय, वीभत्स और निंदनीय बताया। साथ ही कहा कि यह घटना देश में अस्थिरता फैलाने और आपसी भाईचारा तोड़ने का कुत्सित प्रयास है। उन्होंने कहा पूरा देश इस समय सेना और सरकार के साथ खड़ा है। अब वक्त है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए निर्णायक कदम उठाए जाएं। सिंहदेव ने कहा कि सीमा पर आतंकवादी संगठन इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं, हालांकि बीते वर्षों में इनकी संख्या में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन आतंक का सिलसिला थमा नहीं है। उन्होंने कहा कि अब ऐसी घटनाओं के खिलाफ सबसे बड़ा जवाब देने का समय आ गया है। बातचीत के दौरान सिंहदेव ने बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर चल रहे अब तक के सबसे बड़े एंटी नक्सल ऑपरेशन की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 32 घंटे से चल रहे इस ऑपरेशन में तीन राज्यों ङ्क छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र ङ्क के करीब 5,000 जवान शामिल हैं, जिन्होंने टॉप नक्सली लीडरों हिड़मा, देवा, विकास सहित कई बड़े कैडरों को घेर रखा है।

कानन की शान रहे व्हाइट टाइगर आकाश की मौत, प्रबंधन भी सख्ते में

बिलासपुर 25 अप्रैल (निस) छत्तीसगढ़ कि कानन पंडरी जू में एक साल के अंदर चार वन प्राणियों के मौत का मामला सामने आया है दरअसल सोमवार की सुबह कनन भंडारी जू में मौजूद व्हाइट टाइगर आकाश में दम तोड़ दिया। आकाश के मौत के पीछे की वजह कार्डियक अरेस्ट यानी हार्ट अटैक बताया जा रहा है दरअसल सोमवार की सुबह कानन पेंडारी जू में साफ सफाई के लिए स्टाफ पहुंचे थे इसी दौरान वन प्राणियों के केज के साथ टाइगर के केज की सफाई की जा रही थी इसी दौरान स्टाफ ने देखा कि आकाश अपनी मां और बहन के साथ एक केज में साथ रखा गया वहां व्हाइट टाइगर आकाश घूम रहा था सुबह 9:05 पर वहां 10 वर्षीय व्हाइट टाइगर आकाश की तबीयत बिगड़ी और कुछ मिनट के अंदर उसने दम तोड़ दिया सुबह आकाश पूरी तरह स्वस्थ घूम रहा था लेकिन अचानक उसकी मौत होने से कानन में हडक़ंप मच गया और कानन प्रबंधन और डॉक्टर भी आश्चर्य में पड़ गए घटना के बाद जिला स्तरीय चिकित्सा समिति की तीन सदस्य पशु चिकित्सा दल एवं वन प्राणी चिकित्सक कानन पेंडारी पहुंचे डॉ पी के चंदन ने अपनी मां और बहन के साथ रह रहे मृत्यु आकाश को अलग कर रेस्क्यू कर लाया जहां उसका पोस्टमार्टम किया गया और उसका अंतिम संस्कार किया गया पोस्टमार्टम में जो बात सामने आई है उसमें मौत का कारण कांगोस्टीव हार्ट फेल्योर की जानकारी मिली है। कानन पेंडारी जूलॉजिकल पार्क में वर्तमान में तीन वाइट टाइगर थे इनमें से दो मादा और एक न था इनमें से एक वाइट टाइगर आकाश ने सोमवार को दम तोड़ दिया जिसके बाद अब दो वाइट टाइगर बचे हुए हैं दो मादा के एक 10 वर्ष की बाघिन है आकाश का जन्म बिलासपुर के काले भंडारी रूम में ही हुआ था उनके परिवार की वंश वृद्धि के लिए कानून जो प्रबंधन को एक स्वस्थ और सफ़ेद टाइगर की आवश्यकता थी व्हाइट टाइगर से ब्रीडिंग के लिए मेल व्हाइट टाइगर की तलाश शुरू की गई हालांकि अब कानन पेंडारी जू में 4 महीने में वन प्राणियों की हो रही लगातार मौत के बाद प्रशासन के साथ कानन पेंडारी जो भी सत्य में है और इस दिशा में जांच करने की बात कह रहा है।

जनदर्शन में कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं--कलेक्टर अवनीश शरण ने आज साप्ताहिक जनदर्शन में दूर-दराज से आये लोगों की समस्याएं सुनी। कलेक्टर ने सभी की समस्याओं को इत्मीनान से सुना और निराकरण योग्य आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को आवेदन भेजते हुए जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनदर्शन में आज तखतपुर विकासखंड के ग्राम पंचायत खजुरीनवागांव के सरपंच एवं ग्रामवासियों द्वारा गांव में मीडिल स्कूल संचालन कराने संबंधी आवेदन दिया गया। उन्होंने बताया कि वर्ष 2011 से गांव में स्कूल भवन बना पड़ा है लेकिन अब तक मीडिल स्कूल संचालित नहीं हुआ है। स्कूली बच्चे प्राथमिक शाला की पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए नेशनल हाईवे रोड से पैदल 6 किलोमीटर देवरी, सकरी जाते हैं कलेक्टर ने आवेदन डीईओ बिलासपुर को भेजते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। ग्राम पंचायत घुटकु के सरपंच एवं ग्रामवासियों ने पानी की समस्या दूर करने कलेक्टर को आवेदन सौंपा। कलेक्टर ने आवेदन पीएचई विभाग के ईई को भेजते हुए आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिए। विकासखंड मस्तूरी के ग्राम लोहर्सी निवासी ईश्वर डहरिया ने आवास निर्माण के समय बिजली खम्भा से होने वाली परेशानी से संबंधी आवेदन कलेक्टर को दिए। उन्होंने बताया कि बिजली का तार उनके घर के ऊपर से ही गुजर रहा है खम्भा गिरने से कभी भी हादसा हो सकता है। इस मामले को बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता ग्रामीण देखेंगे। विकासखंड बिल्हा के भैसबोड़ निवासी वेदराम बंजारे द्वारा उनकी 0.20 डिसमील जमीन को ऑनलाईन चढ़ाने संबंधी आवेदन कलेक्टर के समक्ष दिया गया है। इस मामले को एसडीएम बिल्हा देखेंगे। 27 खोली निवासी बिजेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने अपने दिव्यांग बच्चे का स्वामी आत्मानंद अंग्रजी माध्यम स्कूल में कक्षा यूकेजी में एडमिशन कराने कलेक्टर को आवेदन दिया। इस मामले को जिला शिक्षा अधिकारी देखेंगे।

कलेक्टर ने की सुशासन तिहार के आवेदनों के निराकरण की समीक्षा

बिलासपुर 25 अप्रैल (निस) कलेक्टर अवनीश शरण ने आज साप्ताहिक टीएल बैठक में सुशासन तिहार में मिले आवेदनों के निराकरण की प्रगति की समीक्षा की। अब तक लगभग 15 हजार से ज्यादा आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। उन्होंने दिन रात काम कर आवेदनों के परिणाम मूलक समाधान के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा कि आवेदनों को अधिकारी स्वयं पढ़ें, समझें और समाधान निकालें। कंप्यूटर ऑपरेटर अथवा बाबू के भरोसे न छोड़ें। गलती से यदि दूसरे विभागों के आवेदन आपकी आईडी में आ गए हैं, तो इसे संबंधित विभागों को तत्काल फॉरवर्ड कर दें। ताकि उनको समाधान के लिए समय मिल सके। कलेक्टर ने बताया कि आगामी 5 मई से 31 मई तक समाधान शिविर लगेंगे। प्रत्येक 10 पंचायत के बीच एक शिविर आयोजित होगा। नगर निगम क्षेत्रों में भी 5/6 वार्डों के बीच समाधान शिविर लगेंगे। इन शिविरों में आवेदनों के निराकरण की स्थिति की जानकारी दी जाएगी। श्री शरण ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में आवेदक को भी बुलाया जाए अथवा फोन पर उनसे चर्चा की जाए। कलेक्टर ने कहा कि पोर्टल के संबंध में यदि कोई दिक्कत आती है तो ग्रामीण क्षेत्र क्षेत्र के लिए जिला पंचायत सीईओ और नगरी क्षेत्र के लिए नगर निगम आयुक्त से संपर्क कर उसका निदान कराएं। कलेक्टर ने बैठक में आवेदनों के तेजी से निदान पर बल दिया। उन्होंने भीषण गर्मी को देखते हुए पेयजल की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि लोगों को पेयजल और निस्तारी में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। यदि जलस्रोत नीचे हो रहा तो नलकूप। में राइजिंग पाइप बढ़ाए। मूलभूत अथवा 15 वाँ वित्त आयोग मद का उपयोग किया जा सकता है। किसी भी हालत में लोगों को पेयजल की समस्या नहीं आनी चाहिए। आगामी खरीफ सीजन को देखते हुए खाद बीज की उपलब्धता की समीक्षा भी की। किसानों से खाद बीज का अग्रिम उठाव करने की अपील की। उन्हें अतिरिक्त ब्याज नहीं देना होगा। कृषि विभाग को उठाव के बारे में किसानों को जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने टीएल में दर्ज एक एक प्रकरण की समीक्षा की। तथा और तेजी के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त अमित कुमार, डीएफओ सत्यदेव शर्मा सहित विभागीय वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष पद पर सतीश शाह निर्विरोध निर्वाचित

बिलासपुर (ईएमएस)। जिला उद्योग संघ की वार्षिक चुनावी सभा का आयोजन 20 अप्रैल को उद्योग भवन, सी.एम.डी. कॉलेज परिसर में किया गया। सभा का संचालन निर्वाचन अधिकारियों हरीश केडिया, विनोद अग्रवाल एवं अरुण अग्रवाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सभा की शुरुआत संघ के अध्यक्ष अनिल सलूजा के अध्यक्षीय उद्बोधन से हुई, जिसमें उन्होंने अपने कार्यकाल में किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए सभी सदस्यों के सहयोग एवं मार्गदर्शन के लिए आभार प्रकट किया। सके पश्चात महासचिव शरद सक्सेना ने वर्ष भर के कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। संघ के कोषाध्यक्ष राम सुखीजा ने वर्ष भर की आय-व्यय की रिपोर्ट पेश की, जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया।

निर्वाचन प्रक्रिया में ऐतिहासिक एकता

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत आभा पॉवर एंड स्टील लिमिटेड के निदेशक सतीश शाह के नाम का प्रस्ताव सभा में रखा गया। प्रस्ताव पर उपस्थित सभी सदस्यों ने खड़े होकर समर्थन देते हुए सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद पर उनकी नियुक्ति को स्वीकृति प्रदान की। निर्वाचन अधिकारियों ने उन्हें जिला उद्योग संघ, वर्ष 2025 के अध्यक्ष के रूप में घोषित किया।

दिल्ली में 70 साल से ऊपर के लोगों का आयुष्मान कार्ड कब बनेगा

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली में 70 साल से ऊपर की उम्र के लोगों का आयुष्मान कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन अब 28 अप्रैल से शुरू होगा। दिल्ली सरकार इसी दिन कार्ड वितरण भी करेगी। पहले 26 अप्रैल से रजिस्ट्रेशन होना था। इसके साथ ही बैठक में दिल्ली के जिलाधिकारियों को बुधवार तक आयुष्मान आरोग्य मंदिर के लिए जमीन तलाश कर देने का निर्देश दिया गया है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार (22 अप्रैल) को दिल्ली सचिवालय में 'वय वंदना योजना' और आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण को लेकर एक उच्चस्तरीय बैठक की। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज सिंह, कानून मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली के मुख्य सचिव, एमसीडी के कमिश्नर और डीडीए के उपाध्यक्ष मौजूद रहे। इस बैठक में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जानकारी दी कि दिल्ली में 28 अप्रैल से 'वय वंदना योजना' के तहत 70 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान कार्ड बांटना शुरू हो जाएगा और इस कार्ड में बुजुर्गों के सारे स्वास्थ्य रिकॉर्ड और आपातकालीन सेवाओं से जुड़ी जानकारी दर्ज रहेगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया कि वे नए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के लिए जरूरी ज़मीन तलाश कर कल तक सूची स्वास्थ्य विभाग को दे दे साथ ही एमसीडी और डीडीए अधिकारियों को भी जगह चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। आज की बैठक में यह भी तय हुआ की आयुष्मान आरोग्य मंदिर के निर्माण की निगरानी खुद जिलाधिकारी करेंगे। बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने चर्चा की कि एक साल में दिल्ली में कुल 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोले जाएंगे और प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र कम से कम 15 आयुष्मान आरोग्य मंदिर खोलने का सरकार का लक्ष्य है। 'वय वंदना योजना' के अंतर्गत दिल्ली में 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच और प्राथमिकता पर इलाज की सुविधा मिलेगी साथ ही आज की बैठक में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को जानकारी दी कि उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए हैं। दिल्ली सरकार ने यह भी तय किया की 28 अप्रैल से 70 वर्ष की उम्र के बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड वितरण के साथ-साथ इसी दिन रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया भी शुरू होगी। बैठक में मुख्यमंत्री को यह भी जानकारी दी गई कि अब तक 1,69,000 आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिनका वितरण जारी है। बताते चले इससे पहले दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ पंकज सिंह ने जानकारी दी थी कि दिल्ली में 26 अप्रैल से 70 वर्ष से ऊपर की उम्र के लोगों का आयुष्मान कार्ड के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा लेकिन मंगलवार की बैठक में तय हुआ कि अब रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 28 अप्रैल से शुरू होगी।

आतंकी हमले पर सीएम साय की कड़ी प्रतिक्रिया, रायपुर के दिवंगत कारोबारी के परिवार को हरसंभव मदद का भरोसा

रायपुर 25 अप्रैल (निस) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कड़ी निंदा की है। उन्होंने कहा कि ऐसी कायराना घटनाओं का देश करारा जवाब देगा। मुख्यमंत्री ने इस हमले में रायपुर के कारोबारी दिनेश मिरानिया की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके परिवार को हरसंभव सहायता देने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री साय ने इस घटना को लेकर मुख्य सचिव, जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक से छत्तीसगढ़ के पर्यटकों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने बताया कि प्रशासन पीड़ित परिवार के संपर्क में है और सभी जरूरी मदद पहुंचाई जा रही है।

मुंबई रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब के दौरे को बीच में छोड़कर भारत लौटे और एयरपोर्ट पर ही बैठक ली। इससे घटना को लेकर उनकी गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सीएम साय ने सभी मृतकों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति स्पष्ट है — हम इसका दृढ़ता से मुकाबला करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज सुबह दो दिवसीय मुंबई दौरे पर रवाना हुए। वे बॉम्बे एग्ज़िबिशन सेंटर में आयोजित टेक्सटाइल रूह कार्यक्रम और अंतर्राष्ट्रीय स्टील कार्यक्रम में भाग लेंगे। इस दौरान वे निवेश के लिए उद्योगपतियों को छत्तीसगढ़ आमंत्रित करेंगे।

दिल्ली से राजस्थान तक चलेगी लू बिहार-झारखंड में होगी बारिश

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) देश भर में इन दिनों मौसम का मिजाज बदला हुआ है। मैदानी इलाकों में जहां लोग भीषण गर्मी और लू चलने परेशान हैं, तो वहीं देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने आज के लिए भी मौसम का पूर्वानूमान जारी किया है, तो चलिए जानते हैं कि देश भर में मौसम का मिजाज कैसा रहेगा। देश की राजधानी दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत में इस समय तापमान में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी देखने को मिल रही है। साथ ही लू भी चल रही है। वहीं पहाड़ी इलाकों में बरसात और बर्फबारी हो रही है। इस बीच भारतीय मौसम विभाग ने के लिए भी मौसम का पूर्वानूमान जारी किया है, तो चलिए जानते हैं कि आज देश भर में मौसम का मिजाज कैसा रहने वाला है। दिल्ली-एनसीआर का मौसम आज गर्म रहने वाला है। मौसम विभाग के अनुसार, देश की राजधानी में अधिकतम तापमान 39-41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24-26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। राज्य में तेज धूप रहेगी और गर्म हवाए चलेंगी। इसके कारण दोपहर में लू चल सकती है। आसमान में आंशिक रूप से बादल देखने को मिल सकते हैं। उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम में उतार-चढ़ाव दिख सकता है। पूर्वी यूपी के शाहजहांपुर, बरेली, बस्ती और मुरादाबाद जैसे जिलों में 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। साथ ही हल्की बूंदाबांदी या बरसात हो सकती है।

कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी विरासत भी है-दीया

जयपुर 25 अप्रैल (निस) कोटा जिले के रघुराई एंडो स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में आयोजित अंडर-20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता के दूसरे दिन उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने महिला वर्ग पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की एवं विजेता महिला पहलवानों को मेडल एवं सर्टिफिकेट प्रदान किए।इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कुश्ती सिर्फ एक खेल नहीं हमारी परम्परा एवं संस्कृति का एक हिस्सा है। हमारे देश में दशकों से कुश्ती एवं दंगल का आयोजन मेलों और त्यौहारों में होता आया है। कुश्ती एक तरह से हमारी विरासत है। उन्होंने कहा कि ओलम्पिक में हमारे देश के पहलवानों ने कुश्ती में कई मेडल जीते हैं। इस खेल को आगे बढ़ाने में महिला पहलवानों का भी काफी योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि पहली बार अंडर 20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का राजस्थान में आयोजन लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रयासों से सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय इस प्रतियोगिता का कोटा में आयोजन पूरे राजस्थान के लिए गर्व की बात है। उन्होंने इस आयोजन के लिए राजस्थान को चुनने के लिए राष्ट्रीय कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष संजय सिंह एवं राजस्थान कुश्ती फेडरेशन के अध्यक्ष राजीव दत्ता को साधुवाद दिया।

जितना मोह करोगे उतना ही दुखी होवोगें - उपाध्याय विश्रुतसागर म. सा.

इन्दौर 25 अप्रैल (निस) आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर इन्दौर में विराजमान उपाध्याय मुनि विश्रुत सागर जी ने अपनी मंगल देशना में कहा कि सहज, सरल होना साधुता है और राग ,द्वेष, मान, कषाय से भरे रहना असाधुता है। जो अपनी कषयों को जीत लेता है सहज सरल रहता है वही सम्यक दृष्टि है। सम्यक दृष्टि जीव संसार शरीर और भोगों से विरक्त रहता है और उसी का मोक्ष मार्ग प्रशस्त होता है। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि मुनि श्री ने कहा कि हमारा जन्म आत्मा के कल्याण के लिए हुआ है। आत्मा के कल्याण के लिए पर की दृष्टि गोण होना चाहिए। मोह की चर्चा करते हुए आपने कहा कि मोह मिथ्यात्व है जितना मोह करोगे उतना ही दुखी होवोगें। आत्मा का कल्याण और सुखी होना चाहते हो तो मोह से विरक्ति करो और मैं शरीर नहीं आत्मा हूं ऐसा चिंतन करो। धर्म सभा का संचालन डॉक्टर जैनेंद्र जैन ने किया।

दिल्ली में नई इलेक्ट्रिक बसों की लॉन्चिंग टली

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) लंबे समय से नई इलेक्ट्रिक बसों के सड़कों पर उतरने की बाट जोह रही दिल्ली की जनता का इंतजार और लंबा खिंच गया है। मंगलवार की सुबह कुशक नाला डिपो से 330 नई इलेक्ट्रिक बसें लॉन्च होने वाली थीं, लेकिन पोप फ्रांसिस के निधन के बाद भारत सरकार द्वारा की गई राष्ट्रीय शोक की घोषणा को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इस कार्यक्रम समेत अपने सभी कार्यक्रमों को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने खुद बसों की लॉन्चिंग स्थगित किए जाने की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा करते हुए कहा कि नई तारीख की घोषणा जल्द की जाएगी। जिन 330 बसों को सड़कों पर उतारने की तैयारी थी, उनमें 9 मीटर आकार वाली 150 मिनी इलेक्ट्रिक बसें भी शामिल थीं, जिन्हें पहले मोहल्ला बस योजना के तहत दिल्ली की सड़कों पर चलाने के लिए खरीदा गया था। मगर अब बीजेपी की सरकार इन बसों को एक नए नाम और नई योजना दिल्ली इलेक्ट्रिक वीकल इंटरचेंज (डीइवीआई) के तहत सड़कों पर उतारने वाली थी। ये बसें 6 महीने से भी अधिक समय से डिपो में खड़ी हुई हैं। इनके अलावा डीटीसी की 100 और क्लस्टर स्कीम की 80 फुल साइज बसों को भी लॉन्च किया जाना था। दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने कहा कि हम जल्द ही इन बसों को सड़कों पर उतारेंगे। ये इलेक्ट्रिक बसें दिल्लीवासियों के लिए कई तरह से लाभकारी होंगी। मिनी इलेक्ट्रिक बसें उन इलाकों में भी पहुंचेंगी, जहां अभी बस सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं। इससे कनेक्टिविटी बढ़ेगी। साथ ही प्रदूषण कम करने में भी ये बसें अहम भूमिका निभाएंगी। उन्होंने बताया कि वाहनों से होने वाला प्रदूषण एक बड़ी समस्या है और इलेक्ट्रिक बसें इस समस्या को कम करने में मदद करेंगी। सरकार का लक्ष्य धीरे-धीरे सभी बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलना है। यह योजना अभी शुरुआती चरण में है, लेकिन हर महीने या 15 दिन में अधिक से अधिक बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदला जाएगा। जैसे-जैसे सीएनजी बसों का समय खत्म होगा, इलेक्ट्रिक बसें उनकी जगह लेती जाएंगी।

साकेत मेट्रो स्टेशन के बाहर ना हो जलभराव जांच में जुटा पीडब्ल्यूडी

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) ट्रैफिक पुलिस ने इस साल जिन संभावित 194 लोकेशन पर जलभराव की सूची दी है, उन सभी लोकेशन पर पीडब्ल्यूडी जलभराव के कारणों को पता लगा रहा है। पहले चरण में एमबी रोड स्थित साकेत मेट्रो स्टेशन और वेस्टेंड रोड पर जलभराव के कारणों को पता लगाया जा रहा है। शुरुआती जांच में पीडब्ल्यूडी अफसरों को यह पता चला कि जो बड़ी पाइप ड्रेन हैं, उससे गंदे पानी का फ्लो काफी स्लो हो रहा है। इसकी वजह यह है कि पाइप ड्रेन के अंदर काफी मात्रा में सिल्ट (गाद) है। पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार, ट्रैफिक पुलिस ने इस साल जलभराव के लिए जो 194 संभावित लोकेशन की पहचान की है, उनमें से कई ऐसी लोकेशन हैं, जहां पिछले साल भी यह समस्या थी। उन जगहों पर इस बार जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए हर लोकेशन पर समस्या दूर करने के लिए पीडब्ल्यूडी अफसरों को नोडल अफसर नियुक्त किया गया है।

बेरोजगार युवाओं का स्टार्ट-अप में बढ़ने लगा क्रेज

अगर आप कारोबार करना चाहते हैं पर आपके पास बजट कम है तो आप स्टार्ट-अप से अच्छी खासी कमाई कर सकते हैं। इसमें निवेश भी कम करना होगा और आप अच्छा पैसा भी कमा सकते हैं। अगर आप इन बिजनेस में क्रिएटिव और मेहनत से काम करेंगे तो आप जल्द ही हर महीना लाखों रुपये कमा सकते हैं।

इवेंट मैनेजमैंट – आजकल इवेंट का काम बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। खास बात ये है कि इसमें आपको किसी खास डिग्री की आवश्यकता नहीं है और आप क्रिएटिव तरीके से काम करके इसमें पैसा कमा सकते हैं। इवेंट में आप वेडिंग, ऑफिशियल प्रोग्राम, पार्टी आदि की अरेजमेंट कर सकते हैं और इसमें आपको निवेश नहीं करना होता, सिर्फ इवेंट की व्यवस्था करनी होती है। आप अच्छे संपर्क बनाकर इसमें पैसे कमा सकते हैं।

ऑटो गैराज– आपको सुनकर भले ही ये अजीब लगे, लेकिन कई लोग इससे अच्छा पैसा कमा रहे हैं। यह गैराज किसी एक दुकान पर नहीं होगा, बल्कि यह डिमांड पर कहीं जाएगा। मतलब आजकल गाड़ियों की संख्या अधिक हो गई और बीच रास्ते में गाड़ी खराब हो जाने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में आप ऐसे लोगों की मदद कर पैसे कमा सकते हैं।

ड्राइविंग स्कूल – देश में कारों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ड्राइविंग सीखने वालों की संख्या भी बड़ी है। ऐसे में ड्राइविंग स्कूल चलाना भी एक बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इस काम को करने के लिए शुरुआती तौर पर आपके पास सिर्फ एक कार होना जरूरी है। जिससे आप दूसरों को ड्राइविंग सिखा सकें।

होम बेस्ड फूड सर्विस– घर से बाहर दूसरे शहरों में रह रहे लोगों के लिए घर का खाना एक सपने जैसा होता है। इसलिए आप इन शहरों में टिफिन आदि का कारोबार करके आप कम इनवेस्ट में अधिक पैसे कमा सकते हैं। इसकी पब्लिसिटी के लिए आप सोशल मीडिया या किसी ऐप का सहारा ले सकते हैं।

क्लिनिंग सर्विस– इस क्लिनिंग सर्विस में आप कपड़ों से लेकर घर,गाड़ी आदि तक का काम कर सकते हैं क्योंकि लोगों के पास काम की व्यस्तता की वजह से यह सब काम करने का वक्त नहीं होता है। ऐसे में आप उनके लिए ऑनलाइन रुप से ये काम करके अच्छे पैसे कमा सकते हैं। विदेशों और मेट्रो सिटी में कई लोग इस तरह से कमाई कर रहे हैं।

ट्रांसलेटर– यह एक फ्रीलांस काम की तरह है। इस काम को आप किसी बिजनेस या नौकरी के साथ भी कर सकते हैं। आप यह भाषाओं के लिए कर सकते हैं। आजकल कई क्षेत्रीय भाषाओं के लिए भी कई लोगों की मांग है।

सोशल मीडिया कंसलटेंट– आज प्रचार करने का सबसे अच्छा साधन है सोशल मीडिया। हर कोई खुद के लिए या अपनी संस्था के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले सकते हैं। ऐसे में आप सोशल मीडिया से संबंधित कोई कोर्स करके या इसके बारे में पढ़कर आप पैसे कमा सकते हैं। इसके लिए आपको कई लोगों के सोशल अकाउंट संभालने होंगे।

गार्डन डिजाइनिंग में भी बना सकते हैं करियर

अगर आप प्रकृति के करीब हैं और आपकी रुचि पेड़ पौधों को लगाने और बगीचों को संवारने में है तो आप गार्डन डिजाइनिंग में भी अपना करियर बना सकते हैं। आज के दौर में युवाओं के सामने करियर बनाने के काफी विकल्प मौजूद हैं। अगर आपको प्रकृति से बेहद प्रेम हैं, तो यह एक ऐसा क्षेत्र है जिसमें करियर बनाकर अच्छी खासी कमाई हो सकती हैं। गार्डन डिजाइनिंग की मांग लगातार बढ़ रही है। गार्डन डिजाइनिंग में करियर के लिए होनी चाहिये ये योग्यताएं।

क्रिएटिव होना जरुरी

गार्डन डिजाइनर बनने के लिए क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। इसके लिए आपको प्रकृति से प्रेम तथा लगाव होना आवश्यक है, क्योंकि इसमें ज्यादा समय प्रकृति के बीच ही बीतता है। साथ ही गार्डन डिजाइनिंग में धैर्य की बहुत जरूरत होती है। अधिकांश वे लोग इस पेशे में आते हैं, जिनके पास जिनके पास लैंडस्केप आर्किटेक्चर, हॉर्टीकल्चर, गार्डनिंग आदि में डिग्री होती है। भारत में कुछ इंस्टीट्यूट्स गार्डनिंग और लैंडस्केपिंग में शॉर्ट ऑर लॉन्ग टर्म कोर्स करवाते हैं। वहीं अगर आप कुछ एडवांस करना चाहते हैं, तो फ्लोरीकल्चर और लैंडस्केप गार्डनिंग में सर्टिफिकेट कोर्स करने के अलावा लैंडस्केपिंग में मास्टर्स कर सकते हैं। सर्टिफिकेट कोर्स लिए स्टूडेंट्स का हायर सेकंडरी, जबकि मास्टर्स के लिए आर्किटेक्चर में ग्रेजुएट होना जरूरी है। किसी भी गार्डन या लैंडस्केप की आर्ट डिजाइनिंग को गार्डन डिजाइनिंग कहते हैं। इस क्षेत्र में धैर्य की बहुत जरूरत होती है। इसमें आपको शारीरिक रूप से भी सक्षम होना होगा, क्योंकि आठ से दस घंटे मैदान में काम करना पड़ सकता है। इसके अलावा, अपने कस्टमर्स से अच्छे संबंध होने चाहिए, ताकि वे बार-बार आपकी सेवा लेने आएं। विदेश में अच्छी संभावनाएं-भारत में एक गार्डन डिजाइनर 1.5 से 4 लाख रुपए के बीच आसानी से कमा सकता है। वहीं अनुभव होने पर तो और भी अधिक कमाई होती है। वैसे ऑस्ट्रेलिया या ब्रिटेन जैसे देशों में इससे ज्यादा पैकेज पर काम करने के विकल्प होते हैं। वहीं धीरे-धीरे भारत में इसका मार्केट अभी विकसित हो रहा है। कॉर्पोरेट कंपनीज भी वर्किंग प्लेस को एनवायर्नमेंट फ्रैंडली बनाने पर जोर देनी लगी हैं। गार्डन डिजाइनर्स लैंडस्केप कॉन्ट्रैक्टिंग, गार्डन कंसल्टेंसी, गार्डन राइटिंग और रिटेल नर्सरी जैसे सेक्टर्स में काम कर सकते हैं। अगर गार्डन डिजाइनर्स बनकर बाग -बगीचों की दुनिया में छाना चाहते हैं तो आप सिर्फ अपनी किएटिविटी पर ध्यान दें। यह एक ऐसा क्षेत्र है, जिसमें क्रिएटिविटी ही सबसे अहम होती है।

होटल, हेल्थ क्लब में बढ़ने लगी है फिटनेस ट्रेनर की मांग

आज फिटनेस ट्रेनर की जरुरत जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसोर्ट आदि सभी जगहों पर है। कुछ अनुभव लेकर आप स्वयं का फिटनेस सेंटर भी शुरू कर सकते हैं। यहाँ तक कि बड़ी-बड़ी मल्टीनेशनल कंपनियाँ भी अपने कर्मचारियों के लिए समय-समय पर वर्कप्लेस वेलनैस तथा फिटनेस प्रोग्राम का आयोजन करती हैं, जहाँ फिटनेस ट्रेनर की जबर्दस्त माँग होती है। है।

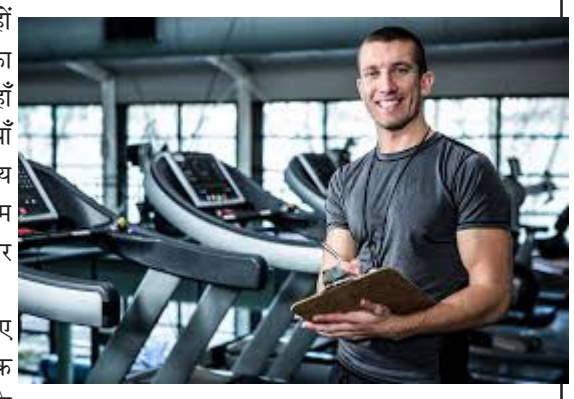

भारत में फिटनेस उद्योग 2,000 करोड़ रुपए से भी अधिक पर हिस्सा रखता है। हाई टेक जिम और हेल्थ क्लब ने इसको युवाओं के बीच और अधिक प्रचलित बनाया है। कोर्स के बाद आप इसमें से किसी भी करियर का चुनाव कर सकते हैं। एथलीट ट्रेनर, डाइटिशियन, स्पोर्ट्स कोच, फिजिकल थेरेपिस्ट, कार्य का दायरा।

एक फिटनेस ट्रेनर के तौर पर आपको शारीरिक फिटनेस के साथ-साथ एरोबिक्स, फैलेक्सीबिल्टी ट्रेनिंग, बीएमआई, पोषण तथा ट्रेनिंग से जुड़े समस्त उपकरणों आदि का ज्ञान होना अनिवार्य है। इससे लोगों को सही सलाह देने में आसानी होती है। यदि आपको ये समस्त

जानकारी है तो आप उनके शरीर के ढांचे और वजन को देखते हुए उनके लिए एक अच्छी डाइट निर्धारित कर सकते हैं और फिट रहने के लिए उपकरणों के सही प्रयोग के बारे में ज्ञान दे सकते हैं। एक फिटनेस ट्रेनर को मूलतः फिटनेस, न्यूट्रिशियन, वेट मैनेजमेंट, स्ट्रैस रिडियूशन, हेल्थ रिस्क मैनेजमेंट आदि जैसे विषयों पर ध्यान देना होता है। एरोबिक्स इंस्ट्रक्टर के तौर पर आप वर्कआउट सत्र में एरोबिक्स, स्टेचिंग तथा मसल्स एक्सरसाइस पर ध्यान देते हैं। खेल जगत में एथलीट का स्टेमिना बढ़ाने के लिए आप जॉगिंग, वेट लिफ्टिंग, पुशअप जैसे विशेष व्यायामों पर जोर देते हैं। यदि आप योग व नैचुरोपैथी एक्सपर्ट हैं तो व्यायाम से रोग-मुक्त रहने के गुर भी सीखाते हैं। फिटनेस ट्रेनर के रूप में आपको अच्छी बातचीत और व्यावहारिक कला भी आनी चाहिए क्योंकि आप कई प्रकार के लोगों के संपर्क में आते हैं। हालाँकि कोर्स के तुरंत बाद मासिक आय कुछ कम होती है पर अनुभव के साथ-साथ आप हाइट एंड फिटनेस सेंटर, स्पा और रिसोर्ट से जुड़कर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

आर्टस एवं कामर्स करने वालों को भी मिलेगा पायलट बनने का मौका

डीजीसीए कर रहा बदलाव

आर्ट्स और कॉमर्स से 12वीं करने वाले छात्रों के पास अब तक पायलट बनने का अवसर नहीं था पर अब कमर्शियल पायलय की पात्रता में बदलाव पर विचार किया जा रहा है। ऐसे में इन्हें भी अब इस क्षेत्र में अवसर मिलेंगे। डायरेक्टरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) जल्द ही कॉमर्स और आर्ट्स से 12वीं करने वालों को भी कमर्शियल पायलट लाइसेंस ट्रेनिंग में शामिल होने की अनुमति दे सकता है। कमर्शियल पायलट लाइसेंस (सीपीएल) ट्रेनिंग के लिए अभी तक 12वीं में फिजिक्स और मैथ्स विषय की पढ़ाई करना अनिवार्य था पर अब इस अनिवार्यता को हटाने पर विचार किया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में उन छात्रों को फायदा मिलेगा, जो आर्ट्स और कॉमर्स से 12वीं करने के बाद पायलट बनने का सपना देख रहे थे हालांकि मेडिकल फिटनेस मानदंड सभी के लिए एक रहेंगे। इसका मतलब है कि आपने चाहे जिस भी स्ट्रीम से 12वीं की पढ़ाई की हो, डीजीसीए के मेडिकल नियम सब पर मान्य होंगे! पायलट की ट्रेनिंग काफी मुश्किल मानी जाती है। इसके लिए कुछ तकनीकी जानकारी नॉलेज होना जरूरी है। 1990 के दशक से भारत में कमर्शियल पायलट बनने के लिए 12वीं में साइंस और मैथ्स जैसे विषय होना अनिवार्य कर दिया गया था जबकि इससे इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए सीमाएं तय थीं। वहीं, इससे पहले सीपीएल (कमर्शियल पायलट लाइसेंस) हासिल करने के लिए कक्षा 10वीं पास करना ही एकमात्र शैक्षणिक जरूरत थी। एक रिपोर्ट के अनुसार पायलट पात्रता योजना को केंद्रीय विमानन मंत्रालय को भेजा जाएगा। जब वे इसे मंजूरी दे देंगे तो सभी स्ट्रीम के छात्रों के लिए सीपीएल ट्रेनिंग शुरू हो जाएगी।

फैशन कम्युनिकेशन का युवाओं में अलग क्रेज

तेजी से बदलते फैशन के इस दौर में फैशन कम्युनिकेशन के क्षेत्र में भी अच्छी संभावनाएं हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट का काम अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। जब भी फैशन इंडस्टी की बात होती है तो लोग फैशन डिजाइनर या मॉडल बनने की ही चाहत रखते हैं। लेकिन यह एक ऐसी इंडस्टी है, जिसमें पिछले काफी सालों में बदलाव आया है और इसी कारण अब इस क्षेत्र में करियर की नई संभावनाओं ने जन्म दिया है। फैशन इंडस्टी में एक ऐसा ही करियर है फैशन कम्युनिकेशन है। यह तेजी से उभरता क्षेत्र है और अब युवाओं का आकर्षण इस ओर बढ़ने लगा है।

संभावनाएं –फैशन कम्युनिकेशन का कोर्स करने के बाद आप फैशन डिजाइनर, ग्राफिक डिजाइनर, फैशन पत्रकार, प्रोफेसर, डिजाइन सहायक, फैशन सहायक, फैशन मार्केटिंग मैनेजर, फैशन एडिटर, फैशन फोटोग्राफर, कला निर्देश आदि भूमिकाएं अदा कर सकते हैं। इस कोर्स को करने के बाद कई इंडियन व इंटरनेशनल ब्रांड के साथ जुड़कर काम कर सकते हैं।

योग्यता-इसके लिए डिप्लोमा या बैचलर डिग्री की जरुरत रहती है। इसके बाद आप फैशन कम्युनिकेशन में ही मास्टर और डॉक्टरेट भी कर सकते हैं।

आमदनी-इस क्षेत्र में आमदनी आपके काम पर निर्भर करती है और अनुभव के साथ आमदनी भी बढ़ती है। वैसे शुरूआती दौर में आप सालाना 2 से 3 लाख रूपए आसानी से कमा सकते हैं।

क्या होता है काम

एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट को कई काम करने होते हैं। वह अपने क्लाइंट या कंपनी की एक बेहतरीन छवि बनाता है। साथ ही वह अपने क्लाइंट के उत्पाद को टार्गेट कस्टमर्स तक सर्वोत्तम तरीके से पहुंचाता है। इतना ही नहीं, वह ब्रांड के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रचार के तरीकों पर भी नजर रखता है। अपने क्लाइंट व बिजनेस हाउस की तरफ से मीडिया के साथ कम्युनिकेट व डील करते हैं। एक फैशन कम्युनिकेशन एक्सपर्ट डिजाइन लेआउट, वेब पेज और मल्टीमीडिया डिजाइन डेवलप करता है।

स्किल्स

इस क्षेत्र में आपकी मार्केटिंग स्टेटजी अच्छी होनी चाहिए। साथ ही आपमें कम्युनिकेशन व नेटवर्किंग स्किल्स भी बेहतरीन होने चाहिए, इसके बिना आपको अपने क्षेत्र में कठिन संघर्ष करना पड़ सकता है। वहीं इस क्षेत्र में डेडलाइन पर काम करना होता है, इसलिए आपको कई-कई घंटे लगातार काम करना पड़ता है। इसलिए अगर आपमें धैर्य व कठिन परिश्रम करने की क्षमता नहीं है तो आप इस क्षेत्र में नहीं टिक पाएंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मौखिक व लिखित दोनों ही रूपों में अलग-अलग भाषा पर पकड़ अच्छी होनी चाहिए।

प्रमुख संस्थान

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, विभिन्न केन्द्र

नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, गुजरात

सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, पुणे

इंस्टीट्यूट ऑफ अपैरल मैनेजमेंट, गुरूग्राम

जेडी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, नई दिल्ली

डिग्री नहीं दक्षता चाहिए-नई अर्थव्यवस्था की नई जरुरतें

- डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज दुनिया की सबसे बड़ी युवा जनसंख्या वाला देश है। यह जनसांख्यिकीय लाभांश एक वरदान बन सकता है—यदि हम इसे कुशलता, योग्यता और आधुनिक ज़रूरतों के मुताबिक तैयार करें। परंतु अफसोस, हमारी उच्च शिक्षा प्रणाली आज एक गहरे संकट से जूझ रही है। विश्वविद्यालयों में जो पढ़ाया जा रहा है और उद्योगों को जो चाहिए—इन दोनों के बीच की खाई लगातार चौड़ी होती जा रही है। यह खाई केवल छात्रों की रोजगार क्षमता को ही नहीं, बल्कि भारत की आर्थिक प्रगति और वैश्विक प्रतिस्पर्धा को भी गंभीर रूप से बाधित कर रही है।

रोज़गार की हकीकत और शिक्षा की असंगति

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2024 के अनुसार, भारत में केवल 45.9त्न स्नातक ही रोजगार के योग्य पाए गए। इसका अर्थ यह है कि हर दो में से एक छात्र, जिसने उच्च शिक्षा प्राप्त की है, वह नौकरी के लायक कौशलों से लैस नहीं है। तकनीकी संस्थानों की स्थिति भी निराशाजनक है। नैसकॉम की रिपोर्ट के अनुसार, केवल 25त्न इंजीनियरिंग स्नातक ही आईटी सेक्टर में कार्य के लिए उपयुक्त पाए गए। यह स्थिति न केवल शिक्षा प्रणाली की विफलता है, बल्कि देश के करोड़ों युवाओं के सपनों के टूटने की त्रासदी भी है। इस समस्या की जड़ है — सैद्धांतिक और अकादमिक दृष्टिकोण वाली शिक्षा प्रणाली, जो व्यावहारिक दुनिया की ज़रूरतों से कटी हुई है। विश्वविद्यालयों का पाठ्यक्रम दशकों पुराना है, जो आज के डेटा-संचालित, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-प्रेरित, नवाचार-प्रधान उद्योग की ज़रूरतों से मेल नहीं खाता।

बदलते उद्योग, अपरिवर्तित पाठ्यक्रम

आज की नौकरियाँ पहले जैसी नहीं रहीं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्र तेज़ी से बढ़ रहे हैं। लेकिन इन उभरते क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए पाठ्यक्रमों में ज़रूरी बदलाव नहीं हो पा रहा है। उदाहरणस्वरूप, ढ्ढञ्ज हैदराबाद ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में बी.टेक प्रोग्राम शुरू किया है — यह एक दूरदर्शी कदम है। लेकिन अधिकांश विश्वविद्यालय अब भी पुरानी पाठ्य पुस्तकों और व्याख्यानों पर निर्भर हैं। यह स्थिति केवल तकनीकी पाठ्यक्रमों की नहीं है। वाणिज्य, मानविकी, समाजशास्त्र, मीडिया, कानून और अन्य विषयों में भी छात्रों को भविष्य की ज़रूरतों से लैस नहीं किया जा रहा है। परिणामस्वरूप, वे न तो नौकरी के लिए तैयार होते हैं, न ही नवाचार या उद्यमिता की दिशा में सोच पाते हैं।

समाधान की राहः पाठ्यक्रम और पेशे का संरेखण

इस संकट का समाधान केवल एक तरफ़ा नहीं हो सकता। इसके लिए नीति, संस्थान और उद्योग—तीनों को एक साथ आगे आना होगा। हर 2-3 वर्षों में उद्योग विशेषज्ञों की मदद से पाठ्यक्रम का पुनरीक्षण किया जाए। यह सुनिश्चित किया जाए कि विषयवस्तु समय के साथ प्रासंगिक बनी रहे। शिक्षकों को उद्योगों में इंटर्नशिप या एक्सपोज़र दिया जाए ताकि वे छात्रों को वर्तमान परिदृश्य के अनुरूप शिक्षा दे सकें। सभी विश्वविद्यालयों को अपने पाठ्यक्रम में उद्योगिक इंटर्नशिप, लाइव प्रोजेक्ट्स और केस स्टडी आधारित मूल्यांकन शामिल करना चाहिए। तकनीकी और मानवीय विषयों का समावेशः केवल तकनीकी कौशल नहीं, बल्कि सॉफ्ट स्किल्स, संवाद क्षमता, टीमवर्क, सहानुभूति और नेतृत्व जैसे तत्वों का भी विकास किया जाना चाहिए। कंपनियाँ विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर रिसर्च लैब्स, इनोवेशन हब और स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित करें — जैसा कि ढ्ढञ्ज मद्रास का रिसर्च पार्क इसका उदाहरण है।

अंतरराष्ट्रीय उदाहरण और प्रेरणा--भारत को यह समझना होगा कि अकेले तकनीकी शिक्षा से संपूर्ण विकास संभव नहीं। हमें वैश्विक मॉडलों से सीखना चाहिए। जर्मनी का ड्यूल एजुकेशन सिस्टम एक शानदार उदाहरण है, जहाँ सिद्धांत और व्यवहार का समन्वय छात्रों को उद्योग के लिए तैयार करता है। इसी प्रकार, अमेरिका में सामुदायिक कॉलेजेज़ और स्टार्टअप एक्सेलरेटर शिक्षा को उद्योग से जोड़ते हैं। सिंगापुर जैसे देश में हर तीन साल में कौशल समीक्षा होती है और शिक्षा उद्योग के सहयोग से चलती है। भारत को भी एक ऐसा ही डायनामिक करिकुलम फ्रेमवर्क अपनाने की ज़रूरत है।

चुनौतियाँ और सावधानियाँ--हालांकि इस दिशा में कदम उठाने के अपने खतरे भी हैं। यदि हम शिक्षा को केवल उद्योग की आवश्यकता तक सीमित कर दें, तो हम भविष्य के नागरिक नहीं, केवल कर्मचारी तैयार करेंगे। यह एक खतरनाक प्रवृत्ति हो सकती है। अत्यधिक व्यावसायिकता छात्रों की रचनात्मकता और नैतिक सोच को कुंद कर सकती है। साहित्य, दर्शन, समाजशास्त्र जैसे विषयों को अगर गैर-उपयोगी मानकर नज़रअंदाज़ किया गया, तो शिक्षा अपने मूल उद्देश्य से भटक जाएगी। लगातार पाठ्यक्रमों में बदलाव, तकनीकी उन्नयन और उद्योग सहभागिता विश्वविद्यालयों के लिए महंगा साबित हो सकता है, जिससे ग्रामीण और वंचित तबकों की पहुंच सीमित हो सकती है।

राष्ट्रीय दृष्टिकोण की आवश्यकता--भारत सरकार ने 'स्किल इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया', और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी योजनाएँ चलाई हैं। इन अभियानों की सफलता तभी संभव है जब उच्च शिक्षा प्रणाली कुशल, समावेशी और उद्यमशील मानव संसाधन तैयार करे। यह तभी होगा जब विश्वविद्यालय शिक्षा को उद्योग की ज़रूरतों से जोड़ने की रणनीति राष्ट्रीय प्राथमिकता बने। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने इस दिशा में कुछ सकारात्मक संकेत दिए हैं — जैसे लचीलापन, मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण, और स्किल आधारित शिक्षा की बात। लेकिन ज़मीनी स्तर पर इन सुधारों को पूरी तरह लागू करने के लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, वित्तीय निवेश और संस्थागत समन्वय की आवश्यकता है।

शिक्षा केवल पेशा नहीं, पर पेशे के बिना अधूरी भी

भारत अगर 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने का सपना देख रहा है, तो हमें अपने विश्वविद्यालयों को वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना होगा। इसका अर्थ है — शिक्षा प्रणाली को उद्योग की आवश्यकताओं से इस प्रकार जोड़ना कि वह केवल नौकरी के लिए नहीं, नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व के लिए भी तैयार करे। यह संरेखण केवल तकनीकी प्रशिक्षण तक सीमित नहीं होना चाहिए।

युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी द्वारा शहीद देविन्द्र सिंह यादगिरी पार्क में सकोरा अभियान की शुरुआत की

रतिया, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : श्री अरोड़वंश महासभा के अध्यक्ष अशोक ग्रोवर द्वारा नियुक्त युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी द्वारा आज बुढ़लाडा रोड़ स्थित शहीद देविन्द्र सिंह यादगारी पार्क से सोसायटी अध्यक्ष डा पीयूष अरोड़ा की अध्यक्षता में स्कोरा अभियान की शुरुआत की गई। इस प्रोजेक्ट का चेयरमैन मोहन चिलाना को बनाया गया।

इस मौके पर पक्षियों के लिए पीने के पानी हेतु पार्क में वृक्षों पर स्कोरे टांगे गए। वहीं इस बारे जानकारी देते हुए प्रोग्राम चेयरमैन मोहन चिलाना ने बताया कि गर्मी के सीजन के मद्देनजर युवा अरोड़वंश वेलफेयर सोसायटी द्वारा शहीद देविन्द्र सिंह यादगारी पार्क से स्कोरा अभियान की शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत सदस्यों द्वारा वृक्षों पर पक्षियों के दाना-पानी हेतू स्कोरे टांगे गए और सदस्यों द्वारा स्कोरे संभाल हेतू ड्यूटियां भी लगाई गई। उन्होंने बताया कि सोसायटी की मुहिम गर्मियों में लगातार जारी रहेगी और विशेष लोकेशन का ख्याल रखते हैं स्कोरे लगाए जाएगें। इस मौके पर राजेन्द्र मोंगा, रणजीत सिंह ग्रोवर, प्रेम सेठी, कुमार सचदेवा, हैप्पी सिंह सेठी, रिंकू सचदेवा सहित सदस्य मौजूद रहे।

समाधान शिविर में आई शिकायतों को समाधान के बाद ऑनलाइन अपडेट करवाना सभी विभागाध्यक्षों की जिम्मेदारी : सोनू भट्ट

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट ने कहा कि समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों का समाधान करने के बाद उनकी रिपोर्ट को ऑनलाइन अपडेट करवाने की जिम्मेदारी संबंधित विभागाध्यक्ष की है। शिकायत का समाधान करने के बाद भी कई विभागों की रिपोर्ट ऑनलाइन पोर्टल पर पेंडिंग में आती है। जो जिला की समाधान स्थिति पर विपरीत असर दिखाती है। उन्होंने सभी विभागों के एचओडी को इस विषय को गंभीरता से लेने के निर्देश दिए। अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट शुक्रवार को लघु सचिवालय के सभागार में मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा समाधान शिविर की शिकायतों की समीक्षा बैठक के उपरांत अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। समाधान शिविर में 5172 शिकायतें प्राप्त हुई थी। इसमें 998 शिकायतें पेंडिंग हैं, 3078 शिकायतों का समाधान किया गया, 899 शिकायतें रिजेक्ट कर दी गई, 122 शिकायतों को रि-ओपन किया गया है। इस शिकायतों के समाधान के लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा जिला प्रशासन को प्रत्येक सोमवार व वीरवार को समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान सभी विभागों के

करने के निर्देश दिए हुए हैं। निर्देशों के अनुसार दोनों दिनों में सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जाता है। इस दौरान सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं। इन शिविरों में जिला कोई भी नागरिक अपनी परेशानी व समस्याओं को रखकर समाधान करवा सकता है। समाधान शिविर में आने वाले शिकायतों पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी स्वयं निगरानी करते हैं। इसलिए सभी अधिकारियों को समाधान शिविर में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए समयबद्ध तरीके से निपटान करना चाहिए। जो भी अधिकारी समाधान शिविर की शिकायतों को निपटाने में कोताही बरतेगा उसके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई भी अमल में लाई जा सकती है। इसके लिए वो स्वयं जिम्मेदार होंगे। इस बैठक में नगराधीश डा. रमन गुप्ता, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विकास सहित अन्य विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

गुरुजन पावन स्मृति श्रद्धांजलि समारोह में पहुंचें अनेक महामंडलेश्वर संत

हरिद्वार, 25 अप्रैल (ब्यूरो) : श्री चेतनज्योति आश्रम हरिद्वार में ब्रह्मलीन महामंडलेश्वर स्वामी वागीश्वरानंद और भारत साधु समाज के संस्थापक महामंत्री ब्रह्मलीन स्वामी हरिनारायणानंद महाराज को श्रद्धांजलि देने के लिए गुरुजन पावन स्मृति श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता महामंडलेश्वर स्वामी रामदास हठ योगी ने की। श्रद्धांजलि समारोह में मंच का संचालन करते हुए महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद महाराज ने बताया कि चेतनज्योति आश्रम द्वारा पिछले 100 वर्षों से लगातार धर्म की रक्षा, साधु-संतों का सम्मान, संस्कृत महाविद्यालय, भारतीय संस्कृति हाई स्कूल के माध्यम से बच्चों को अपनी संस्कृति से जोडने का प्रयास कर रहा है। इसी तरह गौशाला में गौ माता की रक्षा करना,

साधु-महात्माओं को दैनिक भोजन करवाना, असहाय वर्ग के लोगों के लिए शिक्षा, चिकित्सा जैसे कार्य कर रहा है। इससे पहले पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर स्वामी ऋषिश्वरानंद महाराज व शिवम महंत ने आए हुए संतों का स्वागत किया। ऋषिश्वरानंद महाराज ने कहा कि समाज को धर्म की राह दिखाने वाले महामंडलेश्वर संतों व अन्य पीठाधीश्वर का एक साथ एकत्रित होना देश व समाज को एक नई राह दिखाने का प्रयास है। श्रद्धांजलि सभा में सभी संतों ने पहलगाम में हुए कुकृत्य की आलोचना की। इस अवसर पर महामंडलेश्वर भूपिंदर गिरी महाराज, स्वामी ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी, स्वामी सतपाल ब्रह्मचारी, महामंडलेश्वर राम मुनि, महामंडलेश्वर शंकर तिलक, आनंदमय महाराज,महंत गोपाल कृष्ण, मनोज महंत, पूर्व नगरपालिका प्रधान बलदेव राज चावला, पूर्व पार्षद पवन छाबड़ा, रामचंद्र ढोलामाजरा, स्वर्ण सिंह पूर्व सरपंच, श्रवण, अनिल सहित श्रद्धालु उपस्थित थे।महामंडलेश्वर संत।

आगजनी की घटनाओं पर सरकार गंभीर : जयवीर

बसतली में शार्ट सर्किट से लगी थी आग, गेहूं की फसल जलकर हुई थी राख, पटवारी ने की रिपोर्ट तैयार

निसिंग, 25 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : बीते दिनों गांव बसतली में गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई थी। किसान रविन्द्र ने ठेके पर जमीन ली हुई थी। उम्मीद थी कि गेहूं की फसल अच्छी होगी। फसल तो अच्छी हुई, मगर आखिर में सब कुछ राख हो गया। बिजली विभाग की लापरवाही के कारण ढीली तारों में शार्ट सर्किट हुआ और चिंगारी आग की चपेट में ऐसी बदली की

सब कुछ स्वाह कर गई। जिससे करीब चार एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल एक चिंगारी ने लाखों की फसल को जलाकर राख कर दिया। हल्का पटवारी ने किसान के खेत में पहुंचकर रिपोर्ट तैयार की है। पटवारी जयवीर ने बताया कि बसतली के किसान रविन्द्र ने ठेके पर जमीन ली हुई थी जोकि 4 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल के ऊपर से गुजर रही बिजली की तारों की वजह से बिते दिनों आग लग गई थी। उन्होंने कहा कि आगजनी की घटनाओं के चलते फसलों और पशुधन को हुए नुकसान को सरकार ने गंभीरता से लिया है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इस संबंध में उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही क्षतिपूर्ति पोर्टल भी खोल दिया गया है, जिस पर पीड़ित किसान आवेदन कर सकते है।इस मौके पर नंबरदार रामपाल चौधरी, चमेल सिंह, जोगिंद्र सिंह, रविन्द्र, सुरेंद्र सिंह, प्रेम सिंह, दलबीर चौकीदार और राजपाल आदि मौजूद रहे।

कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ कायराना आतंकी हमला दुर्भाग्यपूर्ण : कृष्ण लाल पंवार

करनाल, 25 अप्रैल (रविन्द्र मलिक) : हरियाणा के विकास एवं पंचायत तथा खनन भूविज्ञान मंत्री कृष्ण लाल पंवार शुक्रवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में जान गंवाने वाले नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के सेक्टर-7 स्थित निवास स्थान पर पहुंचे और विनय नरवाल को श्रद्धांजली दी।

उन्होंने लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिजनों को सांत्वना देते हुए कहा कि यह बहुत निंदनीय घटना है, ऐसी दुखदायी घटना से पूरा देश दु:खी है और इस दुःख की घड़ी में केंद्र व प्रदेश सरकार परिवार के साथ खड़ी है और वे विश्वास दिलाते है कि इस आतंकी हमले का सरकार मुंह तोड़ जवाब देगी तथा पीड़ित परिवार के साथ न्याय करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घटना के बाद सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति की बैठक में पांच ऐतिहासिक फैसले लिए हैं।

इनमें सिंधु जल समझौता रद्द कर दिया गया है, उच्चायोग में रक्षा सेवकों के पद तत्काल खत्म कर दिए गए हैं और पदों पर मौजूद लोगों को वापिस जाने के लिए कह दिया गया है तथा राजनयिकों की संख्या भी घटा दी गई है। इसके अलावा अटारी वाघा सीमा को बंद कर दिया गया है तथा पाकिस्तानी

नागरिकों को सार्क वीजा पर भारत आने की अनुमति नहीं होगी और जो आए हुए हैं, उन्हें दो दिन के अंदर वापिस जाने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी और कठोर कदम उठाए जा रहे हैं। कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि जम्मू कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकवादियों ने बेहद ही कायराना तरीके से हमला किया है जोकि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है, आतंकवादियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस बुजदिल और घिनौने कृत्य को अंजाम देने वालों पर कार्रवाई होगी, क्योंकि केंद्र की मोदी सरकार अपराध के सख्त खिलाफ है। यह हमला ना केवल निर्दोष पर्यटकों के जीवन पर हमला है, बल्कि कश्मीर में शांति व सामान्य स्थिति की कोशिशों पर भी एक गंभीर चुनौती है।

इस अवसर पर पूर्व विधायक नरेंद्र सांगवान भी उपस्थित थे।

देश के दुश्मनों के खिलाफ सख्त कार्यवाही के लिए पक्ष प्रतिपक्ष नहीं हम सभी भारतीय एक साथ : दीपेंद्र हुड्डा

मूनक, 25 अप्रैल (जय भगवान) : लोकसभा सासंद दीपेंद्र हुड्डा करनाल में लेफ्टिनेंट विनय नरवाल के परिवार को सांत्वना देने के बाद असंध विधानसभा के गांव कुरलान में पूर्व चेयरमैन राजेश जून के निवास पर पहुंचे। जहां कार्यकर्ताओं के बीच सासंद दीपेंद्र हुड्डा ने हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की, जिसमें कई लोगों की जान गई थी।

उन्होंने कहा कि यह हमला न केवल निर्दोष लोगों की जान लेने वाला था, बल्कि यह जम्मू-कश्मीर की शांति और सौहार्द को भी भंग करने पर क्रूर प्रहार है।

ऐसे जघन्य अपराध को जन्म देने वाले अपराधियों को कठोर से कठोर सजा दी जानी चाहिए। सरकार इस मामले को गंभीरता से लेना चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए। विधानसभा असंध के गांव कुरलान में पहुंचे सांसद दीपेंद्र हुड्डा से कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुलाकात की।

इस अवसर पर अंबाला सासंद वरुण चौधरी, पूर्व विधायक बख्शीश सिंह विर्क, कांग्रेस नेता दिव्यांशु बुद्धिराजा, इंद्रजीत जलमाना, रवींद्र पाढ़ा, गुरप्रीत सिंह थल, जिला पार्षद सुनील सिंधड़, कांग्रेस नेत्री अधिवक्ता सोनिया बोहत, जसबीर बल्हारा, वीरेंद्र जून, बलजीत कादियान, अजमेर संधू, मनदीप चहल, रामकुमार पूनिया, सुभाष जून, कृष्ण जून, मोहिंद्र जून, अंकुश बल्हारा, विजय कुमार, सुनील आदि उपस्थित रहे।

साइक्लोथॉन यात्रा युवाओं को जागरूक कर हरियाणा को नशा मुक्त बनाने में कारगर साबित हो रही हैं : डॉ. वेदप्रकाश बेनीवाल

हिसार, 25 अप्रैल (ब्यूरो) : हरियाणा को नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से निकाली गई ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन-2.0 यात्रा शुक्रवार को बरवाला पहुंची। इस अवसर पर गांव ज्ञानपुरा एवं बरवाला में आयोजित स्वागत कार्यक्रम में पूर्व मंत्री अनूप धानक, नगर पालिका चेयरमैन रमेश बैटरी वाला तथा बरवाला एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश बेनीवाल ने यात्रा का स्वागत करते हुए नशा मुक्त हरियाणा बनाने की शपथ दिलाई तथा यात्रा को यहां से हरी झण्डी दिखाकर जिला फतेहाबाद की ओर रवाना किया। साइक्लोथॉन-2.0 साइकिल यात्रा में ओवरऑल इंचार्ज नायब तहसीलदार रविंद्र शर्मा, युवा भाजपा नेता रामचंद्र गंगवा, बरवाला, बीईओ मनोज

गुप्ता, जेई साहिल वर्मा, डॉ. शालु जांगड़ा, प्रवीण सैनी, देवेन्द्र शर्मा, सरपंच मंजीत पुनिया, मोनू संदुजा, ताराचंद नलवा, राधेश्याम इंदौरा, पूनम जांगड़ा, सुरेश कुमार, शमशेर पंघाल, युवाओं, स्कूल/कॉलेज के विद्यार्थियों सहित अन्य गणमान्य लोगों ने उपमंडल बरवाला की सीमा क्षेत्र में साइकिल यात्रा में साइकिल चलाकर ड्रग फ्री हरियाणा बनाने का संदेश दिया।

यात्रा के स्वागत समारोह में स्कूल एवं कॉलेजों के विद्यार्थियों ने अपनी ***प्रस्तुतियों से नशा मुक्ति का दिया संदेश :*** इस अवसर पर एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश बेनीवाल ने कहा कि ड्रग फ्री हरियाणा साइक्लोथॉन-2.0 यात्रा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अगुआई में हरियाणा को नशा मुक्त बनाने की दिशा में शुरू की गई यह जागरूकता यात्रा जन-जन तक ड्रग फ्री हरियाणा का संदेश दे रही है। उन्होने कहा कि नशा मुक्त हरियाणा बनाने के लिए साइक्लोथॉन यात्रा हरियाणा के मुख्यमंत्री का सराहनीय प्रयास है। एसडीएम डॉ. वेदप्रकाश बेनीवाल ने स्वयं साइकिल चलाकर नशा मुक्ति का संदेश दिया। उन्होंने आमजन से आह्वान किया कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराई के खिलाफ एकजुट हो और इस अभियान को जन आंदोलन बनाएं। साइक्लोथॉन-2.0 साइकिल यात्रा में साथ चल रहे हरियाणा पुलिस के सब इंस्पेक्टर डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने बताया कि हिसार से 5 अप्रैल को यह यात्रा शुरू हुई थी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने इसका शुभारंभ किया था। जिला सिरसा में यह यात्रा संपन्न होगी। उन्होंने कहा कि साइक्लोथॉन-1 का बहुत अच्छा प्रभाव रहा था और साइक्लोथॉन-2 में पहले से भी ज्यादा लोग हिस्सा ले रहे है।

कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से नशे की रोकथाम पर संदेश दिया और एक स्वस्थ, सकारात्मक जीवन शैली अपनाने का आह्वान किया। इस जागरूकता यात्रा ने युवाओं से नशे से दूर रहने और अन्य लोगों को भी इसके प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

सोनीपत की मंडियों व खरीद केंद्रों में की जा चुकी है तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, 25 अप्रैल (विनोद) : उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। वीरवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है।

उपायुक्त ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा एक लाख 14 हजार 249 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा एक लाख 55 हजार 273 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 81 हजार 301 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा दस हजार 842 मीट्रिक टन गेहूं एवं आमजन के द्वारा (कमर्शियल गेहूं) 14445 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में बरोदा खरीद केन्द्र पर 3995 मीट्रिक टन, भैंसवाल खरीद केंद्र पर 4680 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 1244 मीट्रिक टन, दातौली खरीद केन्द्र पर 4973 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 10974 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 31944 मीट्रिक टन, गोहाना मण्डी में 128152 मीट्रिक टन, हुल्लाहेड़ी खरीद केन्द्र पर 1268 मीट्रिक टन, कासंडी खरीद केन्द पर 8580 मीट्रिक टन, कथूरा खरीद केन्द्र पर 7604 मीट्रिक टन, खानपुर खरीद केन्द्र पर 8460 मीट्रिक टन, खरखौदा मण्डी में 54977 मीट्रिक टन, मोहाना खरीद केन्द्र पर 9574 मीट्रिक टन, मुण्डलाना खरीद केन्द्र पर 8430 मीट्रिक टन, मुरथल खरीद केन्द्र पर 10155 मीट्रिक टन, नाहरा खरीद केन्द्र पर 7890 मीट्रिक टन, पुगथला खरीद केन्द्र पर 13325 मीट्रिक टन, पुरखास खरीद केन्द्र पर 7997 मीट्रिक टन, रूखी खरीद केन्द्र पर 11145 मीट्रिक टन, सनपेड़ा खरीद केन्द्र पर 9074 मीट्रिक टन तथा सोनीपत मण्डी में 31669 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक टन गेहूं को 29 हजार 854 किसान लेकर आए हैं और गेहूंकी खरीद 2425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गई है।

सोशल मीडिया की अफवाहों पर ना दें ध्यान : उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया

पानीपत, 25 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने पहलगाम की बैसरन घाटी में हुए दर्दनाक हादसे के दृष्टिगगत प्रदेश के उपायुक्तों से शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आवश्यक दिशा निर्देश दिये। उन्होंने इस हादसे के बाद अपने -अपने क्षेत्र में सावधानी बरते के निर्देश दिये। इस मौके पर उनके साथ वित्त आयुक्त एवं गृह सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा भी मौजूद रही।

मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने कहा कि समाज में किसी भी तरह का आपसी टकराव ना हो इसको लेकर सभी निगरानी बरतें। उन्होंने सभी उपायुक्तों को कमेटी का गठन कर और निगरानी बरतने की बात कही। उपायुक्त डॉ. विरेन्द्र कुमार दहिया ने बाद में अधिकारियों के साथ बैठक कर कहा कि अधिकारी सुरक्षा के दृष्टिगत मिटिंग करें व गांव स्तर पर ग्राम सचिवों और पटवारियों को सचेत करें कि जहां भी इस तरह का कोई मामला उनके संज्ञान में आता है तो तुरंत अधिकारियों को सूचित करें। उपायुक्त ने सभी नागरिकों से अपील

की कि वे सोशल मीडिया की अफवाहों पर ध्यान ना दें। उपायुक्त ने सभी मीडिया संस्थानों व उनके प्रतिनिधियों से आहवान किया की वे सकारात्मक न्यूज को प्राथमिकता दे। ऐसा कोई भी समाचार प्रेषित ना करें जिससे आमजन में अफवाह, डर या भय फैलने का अंदेशा हो। उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। उपायुक्त ने जिले के लोगों से आपसी भाईचारा बनाकर कार्य करने का आह्वान किया। पुलिस अधीक्षक लोकेन्द्र सिंह ने पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वे इस मौके पर सचेत रहें और असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखें। सभी सम्बंधित सूचनाएं आपस में सांझा करें और उच्च अधिकारियों के संज्ञान में लाएं। इस मौके पर निगम अतिरिक्त आयुक्त विवेक चौधरी, एसडीएम ब्रह्मप्रकाश, समालखा एसडीएम अमित कुमार, इसराना एसडीएम आशिष वशिष्ठ आदि मौजूद रहे।

पंचायती राज दिवस पर आईटीआई में भाषण प्रतियोगिता आयोजित

हिसार, 25 अप्रैल (मनमोहन शर्मा) : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में पंचायती राज दिवस के उपलक्ष्य पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह जानकारी देते हुए संस्थान की प्राचार्या प्रेम किरण ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होती हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में पंचायती राज प्रणाली के प्रति जागरूकता बढ़ाना और स्थानीय स्वशासन के महत्व को समझाना था। प्रतियोगिता के दौरान विद्यार्थियों ने पंचायती राज व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला। निर्णायक मंडल द्वारा विजेताओं का चयन किया गया और उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए। मंच संचालन लक्ष्मण द्वारा किया गया। इस अवसर पर वर्ग अनुदेशक ललित कुमार, दीपक कटारिया, सुधीर कुमार, निर्णायक मंडल में मनदीप सिंह, अनिता देवी, मोनिका सहित सभी स्टाफ सदस्य व छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

कनाडा भेजने के नाम पर धोखाधड़ी के आरोपी को किया शामिल तफ्तीश

जाखल, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : जाखल पुलिस ने एक दम्पति को वर्क परमिट पर कनाडा भेजने के नाम पर उसे धोखाधड़ी करने के मामले में कार्रवाई करते हुए एक युवक को काबू कर शामिल तफ्तीश किया है। पकड़े गए युवक की पहचान हरपाल सिंह पुत्र सुखदेव सिंह निवासी साधनवास के रूप में हुई है। थाना जाखल प्रभारी ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 28 जुलाई 2024 को बेगू रोड, सिरसा निवासी सतपाल सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार उसका लडक़ा गुरजिन्द्र सिंह जाखल मण्डी में शादीशुदा है। उसकी मुलाकात जाखल मण्डी स्थित क्रिक वीजा इमीग्रेशन के मालिक हरपाल सिंह के साथ हुई। उसने गुरजिन्द्र को कहा कि वह दोनों पति-पत्नी व बेटी को वर्क परमिट पर कनाडा भेज सकता है और इसके लिए 35 लाख रुपये लगेंगे। इसके बाद उन्होंने फरवरी 2023 में उसे 35 लाख रुपये दे दिए। इसके बाद हरपाल ने उन्हें मार्च 2023 में कनाडा भेज दिया। वहां जाकर उन्हें पता चला कि हरपाल ने उनके गलत कागजात लगाए हैं और कोई वर्क परमिट की बजाय टूरिस्ट वीजा पर कनाडा भेजा है। इसके बाद उसने अपने साथ हुई धोखाधड़ी बारे पुलिस को शिकायत दर्ज करवाई। इस मामले में जाखल पुलिस ने केस दर्ज कर कार्रवाई करते हुए आरोपी को शामिल तफ्तीश कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

रतिया पुलिस ने धोखे से लाखों के मुर्गे बेचने के आरोपी को किया गिरफ्तार

रतिया, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : रतिया पुलिस ने कम्पनी से धोखाधड़ी कर लाखों रुपये के मुर्गे बेचने के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान तलविन्द्र सिंह पुत्र राम सिंह निवासी महमदगी के रूप में हुई है। थाना सदर रतिया प्रभारी एसआई राजबीर सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 8 मई 2024 को जितेन्द्र कुमार की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार व शालीमार हैचरी लि., टोहाना ब्रांच में मैनेजर है। उनकी कम्पनी किसानों के साथ मुर्गा पालन को लेकर कॉन्ट्रैक्ट करती है, जिसमें चूजा, मुर्गी दाना, दवाइयां कम्पनी की तरफ से दी जाती है और कम्पनी ही लीगल तौर पर मुर्गों की मालिक होती है। उनकी कम्पनी ने तलविन्द्र सिंह के साथ करार किया था। इसके बाद तलविन्द्र के फार्म पर जरनेटर में आई तकनीकी खराबी के कारण बिजली सप्लाई नहीं हो सकी और 392 मुर्गियां मर गई। इसके बाद जब कम्पनी के कर्मचारी नागू को फार्म की देखरेख के लिए भेजा तो उसे जबरन कमरे में बंद कर दिया और उसका फोन ले लिया। इसके बाद तलविन्द्र ने बिना कम्पनी को सूचित किए मुर्गों को तलविन्द्र सिंह ने बेच दिया है। इनकी अनुमानित कीमत 35 लाख रुपये बताई गई थी। तलविन्द्र के साथ 3-4 अज्ञात युवक भी थे जिनके पास असला था। इस मामले में सदर रतिया पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपी तलविन्द्र को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने बीघड़ में हुए झगड़े के मामले में दो भाइयों को किया काबू

फतेहाबाद, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : गांव बीघड़ में दो भाइयों के बीच हुए झगड़े के मामले में कार्रवाई करते हुए सदर फतेहाबाद पुलिस ने दो भाइयों को काबू किया है। पकड़े गए युवकों की पहचान मनजीत व अजय कुमार पुत्र देवीलाल निवासी बीघड़ के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से दो स्टिक बरामद कर दोनों को शामिल तफ्तीश किया है। थाना थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी कुलदीप सिंह ने बताया कि इस बारे पुलिस ने 5 अप्रैल को गांव बीघड़ निवासी फूल चंद की शिकायत पर केस दर्ज किया था। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उसने अपने भाई देवीलाल के घर लगे मिस्त्री को कुछ देर काम रोकने के लिए कहा तो इससे गुस्साए देवीलाल व उसके परिवार ने उसके परिवार पर हमला कर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने केस दर्ज कर दो युवकों को शामिल तफ्तीश कर आगामी कार्रवाई शुरू कर दी है।

डॉ बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 6वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

सोनीपत, 25 अप्रैल (विनोद) : डॉ. बी.आर. अम्बेडकर राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय, सोनीपत द्वारा प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी छठवें वार्षिक के उपलक्ष्य में स्थापना दिवस समारोह 2025 का आयोजन कुलपति अशोक कुमार की अध्यक्षता में दिनांक 26.04.2025 को आयोजित किया जा रहा है। इस समारोह में हरियाणा सरकार के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा मुख्य अतिथि के तौर पर शिरकत करेगें। मोहन लाल बडौली, प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा हरियाणा तथा कृष्णा गहलावत, विधायक राई इस कार्यक्रम में अतिथि के रुप में उपस्थित होंगे। विश्वविद्यालय के द्वारा आयोजित होने वाले वार्षिक समारोह में छात्रों के द्वारा सांस्कृति कार्यक्रम, रंगारंग कार्यक्रम तथा विधि से सम्बन्धित नाटकीय प्रस्तुति पेश की जायेगी।

समाधान शिविर का उद्देश्य जन समस्याओं का तुरन्त और प्रभावी समाधान करना : एसडीएम

असंध, 25 अप्रैल (दलसिह मान) : एसडीएम असंध राहुल (आईएएस) ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार उपमंडल अधिकारी कार्यालय (ना.), असंध में प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर आयोजित किया जाएगा। इस दौरान उपमंडल के सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे तथा समाधान शिविर में बिजली, पानी, परिवार पहचान पत्र, बुढ़ापा पेंशन एवं अन्य संबंधित शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। उन्होने बताया कि सभी नागरिक प्रत्येक सोमवार और बृहस्पतिवार को एसडीएम कार्यालय में सुबह 10 बजे से 12 बजे तक आयोजित समाधान शिविर में अपनी समस्याओं का समाधान करवा सकते हैं।

उन्होंने असंध उपमंडल के समस्त आमजन को संदेश देते हुए कहा कि सभी नागरिक अपनी संबंधित समस्याओं को लेकर उपमंडल कार्यालय में उक्त दिवस को समाधान शिविर में जरूर पहुंचे। नागरिकों की शिकायतों और समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है जिसके द्वारा आमजन की समस्याओं का निवारण हो रहा है। इस शिविर का उद्देश्य नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना है।

इन शिविरों में पुलिस, राजस्व, नगर निकाय, समाज कल्याण आदि जनकल्याण की योजनाएं लागू करने वाले विभागों के अधिकारी एवं अन्य उपमंडल अधिकारी एक साथ मौजूद रहते हैं और लोगों की समस्याओं का समाधान किया जाता है।

उन्होंने बताया कि सभी नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना उनकी प्राथमिकता है। आमजन की सभी संबंधित समस्याओं का त्वरित निवारण किया जाएगा। उपमंडल प्रशासन असंध की प्राथमिकता आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

एसटीसी कुरुक्षेत्र वॉलीबाल की टीम ने जीता आल इंडिया इन्विटेशनल वॉलीबाल टूर्नामेंट

एसटीसी कुरुक्षेत्र पहुंचने पर खिलाड़ियों का किया जोरदार स्वागत, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार कर रहे है सरहानीय प्रदर्शन

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : भारतीय खेल प्राधिकरण कुरुक्षेत्र सेंटर की वॉलीबॉल टीम ने ऑल इंडिया इंविटेशनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट जीतकर पूरे राष्ट्र में कुरुक्षेत्र का नाम रोशन किया है। यह वॉलीबॉल टीम लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन कर रही है। इस टीम का कुरुक्षेत्र एसटीसी पहुंचने पर जोरदार और भव्य स्वागत किया गया। साई के सहायक निदेशक बाबू राम रावल ने प्रशिक्षक राहुल सांगवान व उनकी टीम के सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वॉलीबाल टीम के खिलाड़ी पिछले काफी समय से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरहानीय प्रदर्शन कर रहे है, इसका सारा श्रेय टीम के कोच राहुल सांगवान और खिलाडियों को जाता है। इस टीम का कुरुक्षेत्र सेंटर पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया और खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया गया है।

प्रशिक्षक राहुल सांगवान ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के रोहडू में 20 से 22 अप्रैल तक आल इंडिया इनविटेशन वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में टीम के खिलाड़ी कैप्टन मनोज कडवासरा, अर्जुन पुंडीर, विशेष, सोनू, सौरभ, दिग्विजय, रजत और योगेश कुमार ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर साई के वरिष्ठ कोच कुलदीप सिंह वड़ैच, पूर्व चीफ कोच गुरविन्द्र सिंह, प्रशिक्षक नरेन्द्र ठाकुर, कोमल, डीएसओ मनोज कुमार, पूर्व डीएसओ यशवीर सिंह, समाजसेवी बलराज ग्रेवाल, नरेश कुमार, विनोद गर्ग, अजैब सिंह ने भी बधाई और शुभकामनाएं दी है।

अपराधी अपराध छोड़े या जिला : एसपी सिद्धांत जैन

फतेहाबाद, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन, आईपीएस के निर्देशानुसार अपराध मुक्त अभियान के तहत सीआईए फतेहाबाद टोहाना व साइबर सेल की संयुक्त टीम ने माह अक्टूबर 2024 मे ढाणी गोपाल में लावारिश हालात मे खडे केंटर मे मिले 819 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त बरामद मामले में आरोपी भगौड़े मनदीप पंजाबी उर्फ राजू पुत्र कृष्ण कुमार वासी चौबारा जिला फतेहाबाद को काबू करने में सफलता हासिल की है। इस सम्बन्ध में विस्तृत रूप से जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन IPS ने बताया कि दिनांक 03.10.2024 को सूचना के आधार पर गांव ढाणी गोपाल की गली मे लावारिश हालात मे खड़े केंटर में 819 किलोग्राम डोडा पोस्त पुलिस ने बरामद होने पर अभियोग न0 348 दिनांक 04-10-2024 धारा एनडीपीएस एक्ट थाना भूना अंकित किया गया था। जांच के दौरान साइबर सेल व जो साइबर सेल व सीसीटीवी की फुटेज की सहायता से आरोपी भगत सिंह उर्फ भगता पुत्र रमेश कुमार निवासी बनगांव को काबू कर बंद जेल करवाया था। आरोपी भगता उक्त द्वारा पुलिस की प्रथम पूछताछ में बताया कि आरोपी मनदीप उर्फ राजू उर्फ पंजाबी उसी समय गांव मे मौके पर था। आरोपी मनदीप उर्फ पंजाबी रास्ता न मिलने की वजह से फायर करके मौके से केंटर छोड़कर फरार हो गया था। आरोपी मनदीप उक्त ने पूछताछ में बताया कि बरामद शुदा 819 किलोग्राम कचरा डोडा पोस्त उसी का है। आरोपी पर लूट, डकैती, हत्या, शस्त्र अधिनियम व आपराधिक 26 मामले अंकित है। आरोपी को अदालत में पेश करके पुलिस रिमांड पर लेकर गहनता से पूछताछ करके इस नेटवर्क (कचरा डोडा पोस्त) मामले में शामिल अन्य लोगों को भी गिरफ्तार किया जाएगा।

भारत विकास परिषद द्वारा जम्मू के पुलवामा में हुए हमले में मारे गये निहत्थे एव निर्दोष लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित

रतिया, 25 अप्रैल (अमन सेठी) : आज भारत विकास परिषद शाखा रतिया द्वारा जम्मू के पुलवामा में हुए हमले में मारे गये निहत्थे एव निर्दोष लोगों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए रतिया शहर की विभिन्न संस्थाओं के साथ एक श्रद्धांजली सभा का आयोजन किया जिसमें शहर की बहुत सी संस्थाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और बहुत सारी संस्थाओं के वक्ताओं ने अपने विचार भी रखे और इस घटना की पुरज़ोर तौर पर निंदा की। भारत विकास परिषद हरियाणा पश्चिम प्रांत के संगठन सचिव रविन्द्र मेहता एडवोकेट ने कार्यक्रम का संचालन किया।

विभिन्न वक्ताओं में शाखा अध्यक्ष राज सिंगला, नरेन्द्र बजाज, सुरेंद्र सिंह, मीठन सिंगला विद्या सागर बाघला, विजय चुघ, विकास ग्रोवर, श्याम लाल ने अपने अपने वक्तव्य में इस घटना की घोर निंदा की और इस कठिन समय में सारे हिंदू समाज को देश हित में इकट्ठे होने की अपील की।

परिषद संरक्षक डा नरेश गोयल ने सभी का धन्यवाद किया शाखा प्रेस सचिव प्रदीप बंसल ने बताया कि इस शोक सभा में भारत विकास परिषद, श्री राम आश्रम मंदिर, पंतजलि योग समिति, बजरंग दल, विश्व हिदू परिषद, राष्ट्रीय सेवक संघ, अग्रवाल सभा, पंजाबी सभा, लायंस क्लब, काली माता मंदिर कमेटी, सिख गुरद्वारा कमेटी, श्री श्याम मंदिर एव ट्रस्ट, श्री लखदातार, हर हर महादेव, शक्ति नाटक कल्ब, पद्मावती धाम, नंदी शाला, शिव कावड़ संघ व अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने हिसा लिया।

मत्स्य पालन किसानों व ग्राम पंचायतों के लिये लाभकारी व्यवसाय : उत्तम सिंह

करनाल, 25 अप्रैल (यशपाल कादियान) : उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि मत्स्य पालन किसानों व ग्राम पंचायतों के लिये लाभकारी व्यवसाय है। मत्स्य पालन किसानों व पंचायतों के लिए मुनाफे का सौदा साबित हो रहा है।

मत्स्य पालन विभाग की और से 15 अप्रैल 2025 से मत्स्य पालन को बढावा देने हेतु जिले के अलग-अलग गांवों में जागरूक कैम्प लगाये जा रहे है। उन्होंने बताया कि इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों को तालाब पट्टी पर देने हेतु व किसानों को मत्स्य पालन हेतु जागरूक किया जा रहा है। ग्राम पंचायत के तलाबों को मत्स्य पालन हेतु पट्टी देने से ग्राम पंचायत की आमदनी बढ़ती है, व तालाब की मछलियां मच्छरों का लारवा विकसित होने से रोकती है। मत्स्य पालन के व्यवसाय से गांव के लोगों को रोजगार मिलता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिये अनेक योजनाऐं कियान्वित की जा रही है तथा अनुसुचित जाति व समान्य वर्ग व महिला लाभार्थियों को अलग-अलग पदों में वित्तिय सहायता प्रदान की जाती है। मत्स्य पालन विभाग द्वारा तालाब की खुदाई.,खाद,खुराक, जाल खरीदने, सोलर सिस्टम लगवानें ,तालाब की पट्टा राशि इत्यादि पर मत्स्य पालक को अनुदान दिया जाता है। उन्होंने बताया कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिये उन्हें खेती के साथ-साथ दुसरे ससाधनों का प्रयोग करने पर जोर दे रही है तथा मत्स्य पालन खेती के साथ-साथ किया जाने वाला व्यव्साय है। जिला मत्स्य अधिकारी रंजना सिंह ने बताया कि मत्स्य पालन ऐसा व्यवसाय है कि जिसमे किसानों के साथ-साथ महिला भी अपनी आमदनी बढा सकती है। जिन गांवों के तालाबों में पानी है, वहां मछली पालन हो रहा है। लोगों को जागरूक करने के लिए जिला में जागरूकता कार्यक्रम चल रहें है। और ब्लॉक स्तर पर भी अभियान चलाने के लिए ब्लॉक अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है।

खरीद एजेंसियों ने खरीदा 5 लाख 27 हजार 903 एमटी गेहूं : नेहा सिंह

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि कुरुक्षेत्र के विभिन्न खरीद केन्द्रों और मंडियों में विभिन्न एजेंसियों द्वारा 5 लाख 27 हजार 903 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है। इन खरीद केन्द्रों से 60 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य पूरा किया गया है। उपायुक्त नेहा सिंह ने बातचीत करते हुए कहा कि गेहूं के सीजन में खादय आपूर्ति एजेंसी द्वारा 3 लाख 8 हजार 657 मीट्रिक टन गेहूं खरीदा है। इसके अलावा हैफेड ने 1 लाख 91 हजार 866 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर कारपोरेशन द्वारा 8 हजार 817 एमटी, प्राइवेट एजेंसियों द्वारा 18563 एमटी गेहूं खरीदा है। उन्होंने कहा कि खादय आपूर्ति द्वारा 54 प्रतिशत, हैफेड द्वारा 67 प्रतिशत, हरियाणा वेयर कारपोरेशन द्वारा 74 प्रतिशत और निजी एजेंसियों द्वारा 80 प्रतिशत लिफ्टिंग का कार्य पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि इस जिले में अब तक 5 लाख 27 हजार 903 एमटी गेहूं खरीदा है, इसमें से 12 हजार 38 एमटी एफसीआई को डिलीवर किया गया है, 3 लाख 16 हजार 269 एमटी गेहूं की लिफ्टिंग की गई है। अभी भी मंडियों में 2 लाख 11 हजार 634 एमटी गेहूं रखा हुआ है। उन्होंने एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गेहूं की लिफ्टिंग का कार्य जल्द से जल्द पूरा किया जाए।

विश्व टीकाकरण सप्ताह तथा एम.आर. उन्मूलन अभियान 2025-26 का हुआ शुभारंभ

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : जिला सिविल सर्जन डा. सुखबीर सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग हरियाणा द्वारा जिला मे मनाए जा रहे विश्व टीकाकरण सप्ताह 30 अप्रैल 2025 तक तथा एम.आर. (खसरा-रूबेला) उन्मूलन अभियान 2025-26 का शुभारंभ किया गया।

सीएमओ डा.सुखबीर सिंह ने कहा कि विश्व टीकाकरण सप्ताह के दौरान स्वास्थ्य कर्मियों के द्वारा घर घर जाकर टीकाकरण के विषय में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा सभी सरकारी अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्र पर टीकाकरण सभी के लिए संभव है, थीम पर कार्य करते हुए जिला के सरकारी अस्पतालों व स्वास्थ्य केंद्रों पर कार्यरत एएनएमए, नर्सिंग अधिकारी तथा आशा वर्करों के द्वारा घर घर जाकर नियमित टीकाकरण के लिए आमजन को जागरूक किया जाएगा। इस कार्यक्रम मे स्थानीय प्रमुख जनप्रतिनिधियों की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। इस दौरान ड्रॉप आउट (टीकाकरण से छूटे हुए) बच्चों को विभिन्न प्रकार की वैक्सीन लगाई जाएगी।

जुर्माना वसूलने के बाद छोड़ा गया अवैध खनन में संलिप्त वाहन : उपायुक्त

सोनीपत, 25 अप्रैल (विनोद) : जिले में अवैध खनन पर नकेल कसते हुए उपायुक्त डॉ. मनोज कुमार ने जानकारी दी कि प्रशासन द्वारा जिलेभर में अवैध खनन के विरुद्ध सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि खनन एवं भूविज्ञान विभाग, सोनीपत की टीम द्वारा निरंतर दिन-रात खनिज परिवहन में लगे वाहनों की चेकिंग की जा रही है, जो आगे भी जारी रहेगी। उपायुक्त ने बताया कि अवैध खनन के एक अन्य प्रकरण में कुंडली क्षेत्र से पूर्व में जब्त एक वाहन, जिसका मालिक गौरव नारंग पुत्र राधे, निवासी दिल्ली है, उससे रु. 2,39,700/- का जुर्माना वसूला गया। यह राशि सरकारी खजाने में जमा करवाने के उपरांत ही संबंधित वाहन को छोड़ा गया।

डॉ. मनोज कुमार ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि प्रशासन अवैध खनन के मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगा। भविष्य में भी ऐसे मामलों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील करते हुए कहा कि वे अवैध खनन जैसी गैरकानूनी गतिविधियों से दूर रहें और अपनी मेहनत की कमाई को जोखिम में न डालें।

मंडियों व खरीद केंद्रों में की जा चुकी है तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद

सोनीपत, 25 अप्रैल (विनोद) : उपायुक्त डॉ0 मनोज कुमार ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में गेहूं की आवक व खरीद तेज हो गई है। वीरवार देर सांय तक जिला की विभिन्न 24 मंडियों व खरीद केंद्रों में तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है। इस गेहूं को विभिन्न एजेंसियों द्वारा खरीद लिया गया है। उपायुक्त ने बताया कि जिला की विभिन्न मंडियों में पहुंचे तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक गेहूं में से खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा एक लाख 14 हजार 249 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा एक लाख 55 हजार 273 मीट्रिक टन, हरियाणा वेयर हाउसिंग द्वारा 81 हजार 301 मीट्रिक टन और फूड कार्पोरेशन आफ इंडिया (एफसीआई) द्वारा दस हजार 842 मीट्रिक टन गेहूं एवं आमजन के द्वारा (कमर्शियल गेहूं) 14445 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। जिला की मंडियों में पहुंचे गेहूं में बरोदा खरीद केन्द्र पर 3995 मीट्रिक टन, भैंसवाल खरीद केंद्र पर 4680 मीट्रिक टन, बिचपड़ी खरीद केन्द्र पर 1244 मीट्रिक टन, दातौली खरीद केन्द्र पर 4973 मीट्रिक टन, फरमाणा खरीद केन्द्र पर 10974 मीट्रिक टन, गन्नौर अनाज मण्डी में 31944 मीट्रिक टन, गोहाना मण्डी में 128152 मीट्रिक टन, हुल्लाहेड़ी खरीद केन्द्र पर 1268 मीट्रिक टन, कासंडी खरीद केन्द पर 8580 मीट्रिक टन, कथूरा खरीद केन्द्र पर 7604 मीट्रिक टन, खानपुर खरीद केन्द्र पर 8460 मीट्रिक टन, खरखौदा मण्डी में 54977 मीट्रिक टन, मोहाना खरीद केन्द्र पर 9574 मीट्रिक टन, मुण्डलाना खरीद केन्द्र पर 8430 मीट्रिक टन, मुरथल खरीद केन्द्र पर 10155 मीट्रिक टन, नाहरा खरीद केन्द्र पर 7890 मीट्रिक टन, पुगथला खरीद केन्द्र पर 13325 मीट्रिक टन, पुरखास खरीद केन्द्र पर 7997 मीट्रिक टन, रूखी खरीद केन्द्र पर 11145 मीट्रिक टन, सनपेड़ा खरीद केन्द्र पर 9074 मीट्रिक टन तथा सोनीपत मण्डी में 31669 मीट्रिक टन गेहूं की आवक हुई है। उपायुक्त ने बताया कि तीन लाख 76 हजार 110 मीट्रिक टन गेहूं को 29 हजार 854 किसान लेकर आए हैं और गेहूं की खरीद 2425 रुपये प्रति क्विंटल की दर से की गई है।

अवैध शराब की 11 बोतल बरामद कर, आरोपी को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 25 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया के मार्गदर्शन में जिला पुलिस अवैध शराब रखने वाले व्यक्तियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई कर रही है। इसी कड़ी में कार्य करते हुए थाना गांधी नगर पुलिस ने अवैध शराब के साथ एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। जिसके खिलाफ केस दर्ज किया गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना प्रभारी जगबीर सिंह ने बताया कि उनके टीम के उप निरीक्षक जसबीर सिंह को सूचना मिली कि लक्ष्मी नगर कैंप में एक व्यक्ति शराब बेच रहा है। टीम ने जाकर जांच की और उसके पास से 11 बोतल अवैध देशी शराब की बरामद की। जिसकी पहचान कृष्णा कॉलोनी निवासी राज कपूर पुत्र जगदीश कपूर के नाम से हुई। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कार्यवाही शुरू कर दी। इंचार्ज ने बताया कि यदि कोई अवैध शराब बचेगा तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी अवैध रूप से शराब बेचने पर पूरी तरह पाबंदी है

बाबू अनन्त राम कॉलेज के छात्रों ने डाकघर का किया भ्रमण

निसिंग, 25 अप्रैल (जोगिंद्र सिंह) : बाबू अनन्त राम जनता कॉलेज कौल के वाणिज्य विभाग द्वारा छात्रों को व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए कौल स्थित डाकघर का शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया।

यह भ्रमण कॉलेज के प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल के कुशल नेतृत्व एवं वाणिज्य विभाग की विभागाध्यक्षा डॉ. प्रेरणा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को डाकघर की संरचना, कार्यप्रणाली एवं सेवाओं की प्रत्यक्ष जानकारी देना था।

जिससे वे व्यवहारिक रूप से अधिक सशक्त बन सकें। इस शैक्षणिक यात्रा के दौरान बी.कॉम. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने भाग लिया और उन्होंने डाकघर के विभिन्न विभागों जैसे कि बचत खाता शाखा, मनी ट्रांसफर विभाग, डाक बीमा योजनाएं, स्पीड पोस्ट, पार्सल सेवा आदि का अवलोकन किया। डाकघर के अनुभवी कर्मचारियों द्वारा विद्यार्थियों को पोस्ट ऑफिस की कार्यशैली, ई-गवर्नेंस के तहत उपलब्ध डिजिटल सेवाएं, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक और ग्रामीण क्षेत्रों में डाक सेवाओं की उपयोगिता के बारे में गहन जानकारी दी गई। विशेष रूप से डाकघर के स्टाफ ने छात्रों को यह भी बताया कि स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के उपरांत वे कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा के माध्यम से भारतीय डाक विभाग में विभिन्न पदों पर सरकारी नौकरी प्राप्त कर सकते हैं। इससे विद्यार्थियों को भविष्य की संभावनाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्राप्त हुआ और उन्हें सरकारी क्षेत्र में करियर निर्माण के अवसरों की जानकारी मिली। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. नैन्सी गुलाटी एवं डॉ. मीनाक्षी ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा उन्हें इस प्रकार के शैक्षणिक दौरों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की शैक्षणिक गतिविधियाँ विद्यार्थियों के ज्ञान क्षितिज को विस्तार देती हैं तथा उन्हें भविष्य में अधिक जागरूक एवं व्यवहारिक रूप से सक्षम नागरिक बनने में सहायता प्रदान करती हैं। छात्रों ने भी इस भ्रमण को अत्यंत लाभकारी एवं ज्ञानवर्धक अनुभव बताया।

उन्होंने कहा कि पोस्ट ऑफिस जैसी संस्थाएं न केवल डाक सेवाओं तक सीमित हैं, बल्कि वित्तीय समावेशन, बीमा योजनाओं और ग्रामीण विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कॉलेज प्रबंधन स्मृति के प्रधान चौधरी तेजवीर सिंह, प्राचार्य डॉ. ऋषिपाल एवं स्टाफ ने इस सफल आयोजन के लिए वाणिज्य विभाग की संपूर्ण टीम को हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा भविष्य में भी इस प्रकार के ज्ञानवर्धक शैक्षणिक कार्यक्रमों के आयोजन की सराहना की।

भागकर शादी करने वाले प्रेमी जोड़े थाना में ले सकते हैं सुरक्षा

कैथल, 25 अप्रैल (प्रवेश बहादुर) : भागकर शादी करने वाले प्रेमी जोड़े थाना में सुरक्षा ले सकते है। माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद गत दिनों इस संबंध में हरियाणा सरकार गृह मंत्रालय द्वारा नोटिफिकेशन जारी किया गया है। जिससे प्रेमी जोड़ों को और अधिक सुरक्षा मिल सके। जिला कैथल पुलिस द्वारा उक्त निर्देशों की दृढ़ता से पालना की जा रही है। उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय बीर भान ने बताया कि जिला में इसके लिए महिला विरूध अपराध डीएसपी सुशील प्रकाश को नोडल अधिकारी नियुक्त कर प्रत्येक थाना में एएसआई रैंक के अधिकारी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्होंने बताया कि यदि कोई प्रेमी युगल आपसी सहमति से विवाह करता है और उन्हें अपने परिवार या समाज से किसी प्रकार का खतरा महसूस होता है, तो वे निकटतम पुलिस थाना में जाकर सुरक्षा की मांग कर सकते हैं। थाना में तैनात पुलिस अधिकारी द्वारा इस पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

डीएसपी ने बताया कि शिकायत मिलने पर एएसआई उनकी पूरी बात सुनेगा। जिसके विरूध शिकायत दी गई है उसे सुनवाई में शामिल किया जाएगा ताकि मामले को सुलझाया जा सकें। प्रेमी जोड़ों को सैफ हाउस में रखकर सुरक्षा मुहैया कराई जाएगी। एएसआई मामले का तीन दिन में निपटारा करेंगा। इसका उद्देशय प्रेमी जोड़ो के जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को सुनिश्चित करना है, ताकि वे किसी भी खतरे से बच सकें। कानून के तहत, यदि दोनों पक्ष बालिग हैं और उन्होंने स्वेच्छा से विवाह किया है, तो उन्हें सुरक्षा देने का अधिकार है।

पुलिस ऐसे मामलों में युगल को आवश्यक कानूनी सहायता और सुरक्षा प्रदान करने हेतु प्रतिबद्ध है। डीएसपी ने कहा कि पुलिस प्रशासन यह भी सुनिश्चित करता है कि ऐसे मामलों में जोड़े को मानसिक या शारीरिक रूप से प्रताड़ित न किया जाए तथा उनकी गोपनीयता का पूरा ध्यान रखा जाए। साथ ही, कानून का उल्लंघन करने वाले या धमकी देने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समाधान शिविर में उपायुक्त अनीश यादव ने की जनसुनवाई

हिसार, 25 अप्रैल (मनमोहन शर्मा) : हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के तत्वावधान में खंड हिसार द्वितीय के मीटिंग हॉल में शुक्रवार को जैव विविधता प्रबंधन समितियों के पुनर्गठन हेतु खंड स्तरीय बैठक-सह-प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड के अध्यक्ष रणदीप सिंह जौहर एवं सदस्य सचिव अतुल जे. सिरिस्कर के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी कीर्ति सिरोहीवाल ने कहा कि जैव विविधता का संरक्षण आज के समय की सबसे महत्वपूर्ण जरूरतों में से एक है, क्योंकि जैव विविधता केवल प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए ही नहीं बल्कि मानव जीवन की निरंतरता के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जैव विविधता अधिनियम, 2002 के प्रावधानों का सही ढंग से क्रियान्वयन सुनिश्चित करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए उन्होंने सभी ग्राम सचिवों से अपील की कि वे जैव विविधता प्रबंधन समितियों के पुनर्गठन में ऐसे लोगों को सम्मिलित करें जो इस कार्य में रुचि रखते हों एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रतिबद्ध हों।

हरियाणा राज्य जैव विविधता बोर्ड, हिसार की जिला समन्वयक ममता सिवाच ने कार्यक्रम में प्रतिभागियों को जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने जैव विविधता के प्रकार, वर्तमान स्थिति, संरक्षण के उपाय, इसके महत्व तथा जैव विविधता प्रबंधन समितियों की संरचना, कार्य, शक्तियां एवं कर्तव्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने जैव विविधता अधिनियम 2002 तथा नियम 2004 की व्याख्या करते हुए इनके प्रासंगिक पहलुओं को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने सभी ग्राम सचिवों को लोक जैव विविधता पंजिका के अध्ययन और सत्यापन के महत्व से अवगत करवाया। उन्होंने तकनीकी सहायता समूह की भूमिका को रेखांकित करते हुए ग्राम पंचायत स्तर पर इनके सहयोग से सत्यापन प्रक्रिया को पूर्ण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में हिसार द्वितीय खंड समिति चेयरमैन अजय गावड़, समाज शिक्षा एवं पंचायत अधिकारी जगदीश सोनी, बीडीओ सहायक धर्मपाल सहित खंड हिसार-द्वितीय के सभी ग्राम सचिव, सरपंच एवं पंचायत अधिकारी उपस्थित रहे।

एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने 38 ग्राम हेरोइन के साथ युवक को किया गिरफ्तार

यमुनानगर, 25 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया के मार्गदर्शन में जिला पुलिस मादक पदार्थ तस्करी पर अंकुश लगाने एवं उनके तस्करों के विरुद्ध लगातार कड़ी कार्यवाही कर रही है। इसी कड़ी में कार्य करते हुए एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने करीब डेढ़ लाख रुपए कीमत की 38 ग्राम हीरोइन (स्मैक) के साथ एक युवक को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंचार्ज अरुण कुमार ने बताया कि उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली कि ट्रक अड्डा पुराना हमीदा पुल की पटरी के पास एक व्यक्ति नशीले पदार्थों के साथ खड़ा है। इस सूचना के आधार पर उप निरीक्षक जसविंदर, नवीन आशीष, सतीश, राजकुमार, मुख्य सिपाही ललित, सुल्तान की टीम का गठन किया। टीम ने मौके पर जाकर एक युवक को गिरफ्तार किया। मौके पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट ईटीओ जुगाल किशोर को बुलाया गया। जिसके सामने पकड़े गए युवक की तलाशी लिए तो उसके पास से 38 ग्राम हीरोइन (स्मैक) बरामद हुई। जिसकी पहचान पुराना हमीदा निवासी इंतजार उर्फ मामू पुत्र मुख्तियार के नाम से हुई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इंचार्ज अरुण कुमार ने बताया कि आरोपी पर पहले भी एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मुकदमे कृष्ण बेदर्ज हैं जो न्यायालय में विचाराधीन है। इंचार्ज अरुण कुमार ने बताया कि उनकी टीम नशा तस्करों को पकडने के साथ-साथ जनता को जागरूक करने का काम भी कर रहे हैं।

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत हवन से हुई जागरूकता अभियान की शुरुआत

सोनीपत, 25 अप्रैल (विनोद) : जिला सोनीपत के गांव आनंदपुर झरोठ में आज बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत लिंगानुपात में सुधार के उद्देश्य से जागरूकता अभियान की शुरुआत हवन से की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. ज्योत्सना ने की, जिन्होंने ग्रामीणों को लिंग भेदभाव समाप्त करने और बेटियों को समान अधिकार देने का संकल्प दिलवाया। डॉ. ज्योत्सना ने बताया कि महानिदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं, हरियाणा (पंचकूला) द्वारा ऐसे नौ गांवों को चिन्हित किया गया है जहां पिछले कुछ वर्षों से जन्म के समय लिंगानुपात 700 से भी कम दर्ज किया गया है। इन गांवों में क्रमशः झुंडपुर : 695, मल्हा माजरा : 683, किढ़ौली : 556, आनंदपुर झरोठ : 625, माजरी : 571, ग्यासपुर : 656, जफरपुर : 698, बुलंदगढ़ी : 650, लडसौली : 696

इन गांवों में विशेष जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच अपनाने और लिंगानुपात सुधारने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। कार्यक्रम की शुरुआत हवन से की गई, जिसमें ग्रामीणों, अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों ने आहुति डालकर यह शपथ ली कि वे लिंग भेदभाव नहीं करेंगे और बेटियों को जीवन के हर क्षेत्र में समान अवसर देंगे। इसके साथ ही गांव किढ़ौली में जागरूकता रैली निकाली गई और अन्य गांवों में भी सांस्कृतिक एवं जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गर्भवती महिलाओं, पंचायत प्रतिनिधियों और अन्य गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित कर लड़का-लड़की समानता की भावना को बढ़ावा दिया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, महिला एवं बाल विकास अधिकारी, सरपंच, पंच, एएनएम, आंगनबाड़ी वर्कर व आशा वर्कर भी उपस्थित रहीं।

अधिकारी समस्याओं के समाधान को लेकर करें गंभीरता से कार्य : डॉ. संजय दहिया

पानीपत, 25 अप्रैल (हरप्रीत छतवाल) : निगम संयुक्त आयुक्त डॉ. संजय और नगराधीश टीनू पोसवाल ने शुक्रवार को जिला सचिवालय के सभागार में पिछले वर्ष की जन समस्याओं के समाधान को लेकर समीक्षा बैठक कर आवश्यक दिशानिर्देश दिये।

निगम संयुक्त आयुक्त और नगराधीश ने जनता समाधान शिविर, सीएम विण्डों और जन संवाद में आई समस्याओं का जल्द से जल्द निस्तारण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वे समस्याओं के समाधान को लेकर गंभीर है। उन्होंने सभी समस्याओं को लेकर अधिकारियों को निर्देश दिये की वे समस्याओं के समाधान में रूचि लें। उन्होंने कहा कि सीएम विण्डों से जुड़ी समस्याओं का हमें तत्परता से समाधान करना है।

उपायुक्त ने जिन विभागों की समस्याएं बचती हैं उनका कारण जाना व तत्परता से समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिन विभागों की समस्याओं का निस्तारण नही हो पाया है। एक-एक करके सभी विभागों के अध्यक्षों से कारण पूछा व निर्देश दिए कि जितना जल्दी हो सके समस्याओं का समाधान करें।

इस मौके पर डीएसपी सतीश वत्स, सीएमओ डॉ. विजयपाल मलिक, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजेश शर्मा, जन स्वास्थ्य विभाग के कार्यकारी अभियंता कर्ण बहल, जीएम रोड़वेज विक्रम काम्बोज, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी भूपेंद्र चहल आदि मौजूद रहे।

डीटीपी की टीम ने राजस्व संपदा कुरूक्षेत्र में लगभग 24 एकड़ में पनप रही तीन अवैध कॉलोनी में किए गए निर्माण को किया नष्ट

कुरुक्षेत्र, 25 अप्रैल (सुदेश कुमार) : जिला नगर योजनाकार की टीम ने उपायुक्त के आदेशानुसार थानेसर में राजस्व संपदा थानेसर में लगभग 24 एकड़ में पनप रही तीन अवैध कॉलोनियों और अवैध निर्माण को जिला प्रशासन की मदद से तोड़-फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई। जिला नगर योजनाकार अधिकारी विक्रम कुमार ने जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि राजस्व संपदा थानेसर के गांव दर्रा कलां में लगभग 18 एकड़ में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों और थानेसर के ही गांव अभिमन्युपुर में लगभग 6 एकड़ में अवैध निर्माण व कालोनियों को उपायुक्त के आदेशानुसार प्रशासन के सहयोग से तोड़फोड़ की कार्रवाई अमल में लाई गई है।

डीटीपी विक्रम कुमार ने कहा कि उपायुक्त के आदेशानुसार डयूटी मजिस्ट्रेट के नेतृत्व में पुलिस बल के साथ डीटीपी की टीम ने थानेसर में राजस्व संपदा थानेसर के गांव दर्रा कलां में लगभग 18 एकड़ में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों और थानेसर के ही गांव अभिमन्युपुर में लगभग 6 एकड़ में अवैध निर्माण व कालोनियों में कच्ची सडक़ों, डीपीसी व कंट्रोल एरिया में एक अवैध निर्माण को पीले पंजे से हटाया गया।

उन्होंने कहा कि डीटीपी विभाग के पास राजस्व संपदा कुरुक्षेत्र के दर्रा कलां में लगभग 18 एकड़ में पनप रही दो अवैध कॉलोनियों और थानेसर के ही गांव अभिमन्युपुर में लगभग 6 एकड़ में अवैध कॉलोनियों के पनपने का मामला आया था, जिसके उपरांत विभाग द्वारा भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों को एचडीआर एक्ट 1975 की धाराओं के तहत नोटिस जारी कर जरूरी अनुमति लेने के आदेश दिए गए थे। परंतु भूस्वामी और प्रॉपर्टी डीलरों ना तो अवैध कालोनियों में किए जा रहें निर्माण को रोका और ना ही विभाग से अनुमति प्राप्त की। इस पर कार्रवाई करते हुए विभाग द्वारा इन अवैध कालोनियों में निर्माण को नष्ट करने का काम किया गया है।

उन्होंने लोगों को सचेत करते हुए कहा कि सस्ते प्लाटों के चक्कर में प्रॉपर्टी डीलर के बहकावे में आकर प्लाट ना खरीदें और ना ही किसी प्रकार का निर्माण कार्य करे। इतना ही नहीं जमीन की खरीद करने से पहले डीटीपी कार्यालय से कॉलोनी की वैधता और अवैधता की जानकारी प्राप्त कर लें। सभी तहसीलदार और नायब तहसीलदार भी रजिस्ट्री करने से पहले सरकार द्वारा जारी हिदायतों की पालना करें। यदि कोई व्यक्ति अवैध कालोनियों में कोई प्लॉट खरीदता है तो उसके विरुद्ध भी डीटीपी कार्यालय द्वारा कार्रवाई अमल में लाई जाएगी और जिसमें 50 हजार का जुर्माना व 3 साल की सजा का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि ग्रुप हाउसिंग स्कीम में दीनदयाल हाउसिंग स्कीम व अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग स्कीम के तहत 5 एकड़ भूमि पर लाइसेंस प्रदान किया जाता है, जिसमें आवेदन करके कॉलोनी काटने की जरूरी अनुमति प्राप्त की जा सकती है।

मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना के उपलक्ष्य में स्कूल में करवाया हवन यज्ञ व भंडारा

यमुनानगर, 25 अप्रैल (दिनेश कुमार) : गांव नागल खजूरी के श्रीकृष्णा पब्लिक स्कूल में मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना के उपलक्ष में हवन यज्ञ भंडारे का आयोजन किया गया। हवन यज्ञ को जठलाना के पंडित सतीश शर्मा ने मंत्रोउचरण सहित संपूर्ण किया। हवन यज्ञ के बाद स्कूल प्रबंधक महिपाल राणा ने हलवे का प्रसाद बांटकर भंडारे को आरंम्भ किया। जिसमें स्कूल के बच्चों सहित आसपास के ग्रामीणों ने भी भोजन ग्रहण किया।

भोजन ग्रहण करने से पहले स्कूल के सभी अध्यापकों व बच्चों ने मां सरस्वती की महिमा का गुणगान किया और मां सरस्वती से अपने स्कूल ओर अपने सुंदर भविष्य के लिए कामना की प्रार्थना कि व स्कूल व उन पर मां सरस्वती अपनी कृपा दृष्टि बनाए रखें। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत से पहले मां सरस्वती की पूजा अर्चना और हवन यज्ञ वह भंडारा किया गया जिसमें हजारों की संख्या में लोग भोजन ग्रहण किया। इस मौके पर स्कूल प्रबंधक महिपाल राणा ने कहा कि हम अपनी सांसारिक जरूरतों को पूरा करने के लिए दिन-रात भाग दौड़ कर रहे हैं लेकिन अपने उसे काम को भूल गए हैं जिसके करने से हमें जन्म मरण के चक्कर से मुक्ति प्राप्त होती है अर्थात हमे राम नाम जपना चाहिए जिस काम के लिए हम इस मानव योनि में जन्मे हैं मृत्यु को प्राप्त होने के बाद हमारे द्वारा किए गए नेक कार्य ही हमारे साथ जाते हैं हमारे द्वारा कमाया गया धन दौलत सब यहीं रह जाता है। किस अवसर पर स्कूल के सभी अध्यापकगंण ओर स्कूल के सभी बच्चे मौजूद रहे।

ऑपरेशन स्माइल के तहत पुलिस चौकी फर्कपुर की टीम ने मात्र एक घंटे में गुमशुदा 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे को ढूंढ कर सुरक्षित परिजनों को सोंपा

यमुनानगर, 25 अप्रैल (दिनेश कुमार) : पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भोरिया के मार्गदर्शन में कार्य करते हुए पुलिस विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी सेवा सुरक्षा सहयोग के नारे को साकार करने में लगे हुए हैं। नियमित ड्यूटी से हटकर भी जिला पुलिस बेहतर कार्य कर रही है। पुलिस के प्रति जनता में विश्वास बढ़े, इसके लिए भी पुलिस 24 घंटे प्रयासरत हैं। जनता का सहयोग भी पुलिस का मनोबल बढ़ता है। पुलिस लोगों की सुरक्षा के लिए हैं। लगातार इस पर कार्य किया जा रहा है। इसी कडी में कार्य करते हुए पुलिस चौकी फर्कपुर की पुलिस टीम ने 1 घंटे में गुमशुदा 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे को ढूंढ कर सुरक्षित उसके परिवार से मिलाकर सराहनीय कार्य किया। पुलिस अपने कार्य के साथ-साथ समाज सेवा को भी बेहतरीन से अंजाम दे रही है। इसी अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए एक घंटे में गुमशुदा 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे कों ढूंढ कर सुरक्षित परिजनों को सौपा है।

चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक रजत ने बताया कि उनको चौकी में सूचना प्राप्त हुई कि 10 वर्षीय नाबालिग बच्चा घर में बिना किसी को बताएं कहीं चला गया है। जिसका कोई पता नहीं चल रहा था। इस नाबालिग बच्चे का पता लगाने के लिए एएसआई सुनील कुमार के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। इस पुलिस टीम ने सोशल मीडिया की मदद से बच्चे की फोटो से व पूछताछ करके इस 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे को मात्र एक घंटे में ढूंढ कर उसके परिजनों से मिलवाया। पुलिस टीम ने अथक प्रयास से इस गुमशुदा 10 वर्षीय नाबालिग बच्चे को सकुशल उसके परिजनों के हवाले किया। जिस पर बच्चे के परिवार ने पुलिस टीम को तहे दिल से धन्यवाद दिया। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि आप द्वारा सामाज सेवी के रुप मे काम करके पुलिस के साथ सहयोग करे। यदि गुमशुदा / बन्धक / शोषित व्यक्तियों/ महिलाओं / बच्चों के सम्बन्ध मे किसी प्रकार की जानकारी मिलती है तो उसकी सूचना तुरन्त पुलिस को डायल 112 नम्बर पर दे और उनके परिजनों की मुस्कान लौटाने में पुलिस को पूर्ण सहयोग करें।

दिल्ली में जल्द लागू होगी वय वंदना योजना, 28 से मिलेंगे हेल्थ कार्ड

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केंद्र सरकार की बीमा पॉलिसी-सह-पेंशन योजना वय वंदना योजना के तहत स्वास्थ्य कार्डों का वितरण 28 अप्रैल को त्यागराज स्टेडियम में शुरू होगा। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी प्रेस रिलीज के अनुसार, योजना के लिए लाभार्थियों का बड़े पैमाने पर पंजीकरण भी उसी दिन जिला कार्यालयों और जनप्रतिनिधियों द्वारा चिन्हित स्थानों पर शुरू होगा। दिल्ली सचिवालय में अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद यह घोषणा की गई। सीएम ने कहा, दिल्ली में 70 वर्ष या उससे ज्यादा की उम्र के नागरिकों के लिए सभी हेल्थ चेकअप नि:शुल्क उपलब्ध कराई जाएंगी। इस आयु वर्ग को विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है और सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह उत्तरदायी है कि उन्हें समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मिले। मुख्यमंत्री ने कहा वय वंदना योजना केवल एक सरकारी पहल नहीं है, बल्कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता का प्रतीक है। वय वंदना योजना एक पेंशन योजना है जो देश के वरिष्ठ नागरिकों को स्थायी आय के साधन उपलब्ध कराती है। इस बीच, आयुष्मान भारत योजना आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के जरिए स्वास्थ्य बीमा और दवाओं सहित अन्य उपचार प्रदान करती है। बैठक में, सीएम ने अधिकारियों को योजना को लागू करने के लिए 70 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों की सूची तैयार करने का निर्देश दिया। दिल्ली में आयुष्मान आरोग्य मंदिर स्थापित करने के संबंध में सभी जिलाधिकारियों को उपयुक्त स्थानों की पहचान करके बुधवार तक उनकी लिस्ट पेश करने के निर्देश दिए गए है। पूरी दिल्ली में कुल 1,139 आरोग्य मंदिर स्थापित किए जाएंगे, जिनमें प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 15 केंद्र होंगे। सीएम गुप्ता ने जनप्रतिनिधियों और जिलाधिकारियों को उचित स्थानों की तुरंत पहचान करने और उनका निरीक्षण करने का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि लाभार्थियों के लिए 1,69,000 कार्ड बनाए गए हैं और जल्द ही वितरित किए जाएंगे।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला: सभी अस्पतालों में मिलेगी मुफ्त एमआरआई

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए आने वाले मरीजों को मैग्नेटिक रेजोनेंस इमेजिंग (एमआरआई) जांच कराने में काफी परेशानी होती है। इसकी वजह है कि दिल्ली के 36 सरकारी अस्पतालों में से सिर्फ तीन ही अस्पतालों में एमआरआई मशीन उपलब्ध है। इन तीन अस्पतालों में लोक नायक अस्पताल, जीबी पंत अस्पताल और इंदिरा गांधी अस्पताल शामिल हैं। बाकी अस्पतालों में एमआरआई सुविधा न होने के कारण मरीजों को या तो निजी लैब में पैसे देकर जांच करानी पड़ती है या फिर महीनों तक सरकारी अस्पतालों में नंबर आने का इंतजार करना पड़ता है। अब इस बड़ी समस्या को हल करने के लिए दिल्ली सरकार एक अहम कदम उठाने जा रही है। अगली कैबिनेट बैठक में सरकार एक प्रस्ताव लाने वाली है, जिसमें दिल्ली के सभी सरकारी अस्पतालों में एमआरआई सेवा शुरू करने की योजना है। अगर यह प्रस्ताव मंजूर हो जाता है, तो दिल्ली स्वास्थ्य विभाग एमआरआई मशीनें खरीदने और उन्हें अस्पतालों में लगाने के लिए टेंडर जारी करेगा। इस योजना का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि मरीजों को एमआरआई जैसी जरूरी जांचें मुफ्त में मिल सकेंगी। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, इस फैसले से न सिर्फ मरीजों को राहत मिलेगी, बल्कि अस्पतालों में जांच प्रक्रिया भी तेज और सुविधाजनक होगी। कई बार मरीजों की हालत गंभीर होती है और तुरंत एमआरआई की जरूरत होती है, लेकिन मशीन उपलब्ध न होने के कारण इलाज में देरी हो जाती है। एमआरआई एक आधुनिक जांच तकनीक है जिससे शरीर के अंदर की स्थिति का सटीक पता चलता है। जैसे ब्रेन ट्यूमर, स्पाइनल इंजरी, कैंसर आदि की पहचान में यह जांच बेहद जरूरी होती है।

गुरुग्राम से जयपुर अब सिर्फ ढाई घंटे में तय हो जाएगा आपका सफर

गुरुग्राम 25 अप्रैल (निस) जयपुर से दिल्ली की यात्रा अब बहुत जल्द ढाई घंटे में पूरी होगी। 67 किलोमीटर लंबे जयपुर-बांदीकुई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के बनने से यह संभव हो पाया है। यह एक्सप्रेसवे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से जुड़ेगा, जिससे दिल्ली-जयपुर हाईवे पर ट्रैफिक भी कम होगा। अगले महीने के अंत तक इस एक्सप्रेसवे के चालू होने की उम्मीद है। इससे कई शहरों को सीधी कनेक्टिविटी भी मिलेगी। जयपुर से अब दिल्ली दूर नहीं। अगले महीने के आखिर से महज ढाई घंटे में जयपुर से दिल्ली का सफर पूरा किया जा सकेगा। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे से पिंक सिटी को कनेक्ट करने के लिए बन रहे 4 लेन ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे का काम पूरा होने से यह सुविधा मिलने लगेगी। अभी दिल्ली से जयपुर जाने या जयपुर से दिल्ली आने में कम से कम 4 घंटे का वक्त लग जाता है। इस ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के बनते ही दिल्ली से जयपुर जाने वाले दिल्ली जयपुर हाईवे से जाने के बजाय दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से जाने लगेंगे। इससे दिल्ली जयपुर हाईवे पर भी हैवी ट्रैफिक से थोड़ी राहत मिल जाएगी। एनएचएआई के अधिकारियों के 1380 किलोमीटर लंबे दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे का काम रणथंभौर तक पूरा हो चुका है। चूंकि यह एक्सप्रेसवे पिंक सिटी को डायरेक्ट कनेक्ट नहीं करता, इसलिए दिल्ली से जयपुर जाने वाले वाहन इससे जाने के बजाय दिल्ली जयपुर हाईवे से आते जाते हैं। चूंकि इस हाईवे पर पहले से हैवी ट्रैफिक है, इसलिए गाड़ियां फुल स्पीड में नहीं चल पाती। वहीं बीच बीच में लगने वाले जाम की वजह से भी परेशानी होती है। अब 67 किलोमीटर लंबे जयपुर बांदीकुई ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे के चालू होने पर वाहन 120 किमी की स्पीड से फर्राटा भरते हुए महज 30 मिनट में बांदीकुई और ढाई घंटे में दिल्ली पहुंच जाएंगे। एनएचएआई के अधिकारियों के मुताबिक अभी जयपुर से बांदीकुई का सफर एक घंटे में और दिल्ली का सफर चार से पांच घंटे में पूरा होता है। बड़ी बात यह कि देश की आर्थिक राजधानी से राष्ट्रीय राजधानी को जोड़ने वाली दिल्ली मुंबई एक्सप्रेसवे से जयपुर सीधा कनेक्ट हो जाएगा।

5वीं रैंक पाने वाले आकाश गर्ग ने बताया सफलता का मंत्र

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) यूपीएससी परीक्षा में पांचवां स्थान पाने वाले आकाश गर्ग की सफलता का मूल मंत्र सेल्फ स्टडी और सोशल मीडिया से दूरी है। आकाश गर्ग बताते हैं कि जिस दिन यूपीएससी परीक्षा की तैयारी का निर्णय लिया, उसी दिन से सोशल मीडिया से अपने आप को दूर कर लिया। पिछले ढाई साल से वाट्सएप को छोड़कर सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म को छोड़ दिया। घर में रहकर सेल्फ स्टडी पर ज्यादा फोकस रखा। अपने लिए बड़े लक्ष्य तय करने के बजाय हर दिन के लिए छोटे लक्ष्य रखकर सेल्फ स्टडी की। कंप्यूटर साइंस विषय में बीटेक करने वाले आकाश ने यूपीएससी परीक्षा में समाज शास्त्र को वैकल्पिक विषय के तौर पर पढ़ा और दूसरे प्रयास में पांचवीं रैंक हासिल कर ली। गर्ग के परिवार में खुशी का माहौल है। आकाश गर्ग ने बताया कि उन्हें सिलेक्शन का तो भरोसा था, लेकिन इतनी अच्छी रैंक आ जाएगी, इसका मुझे विश्वास नहीं था। इस सफलता के लिए 50 प्रतिशत मेरी मेहनत है और 50 प्रतिशत ही माता-पिता की मेहनत है।

सेना प्रमुख ने जायजा लिया ...

पृष्ठ एक का शेष ... सेना बल हेलीकॉप्टर से निगरानी कर रहा है।

सेना ने लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अल्ताफ लाली को मुठभेड़ में मार गिराया -पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत सरकार के अलावा सेना भी एक्शन में आ गई है। खबर है कि बांदीपोरा में सेना को बड़ी सफलता हाथ लगी है। सेना ने एलईटी यानी लश्कर-ए-तैयबा के कमांडर अल्ताफ लाली को मुठभेड़ में मार गिराया है। खास बात है कि पहलगाम अटैक की जिम्मेदारी भी लश्कर से जुड़े द रेजिस्टेंस फोर्स ने ली थी। 22 अप्रैल को हुए नरसंहार के बाद से ही घाटी में सेना ने अभियान तेज किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना सेना को मिली थी। इसके बाद जम्मू और कश्मीर पुलिस के साथ मिलकर साझा तलाशी अभियान चलाया गया।

पीर पंजाल पहाड़ियों में छिपे हो सकते हैं हमले के आतंकी? सुरक्षा बल कर रहे खोज-पहलगाम में जिन आतंकियों ने पर्यटकों की हत्या की भारतीय सेना और सुरक्षा बल उन्हें खोजने में लगातार जुटे हैं। 28 बेगुनाह लोगों की हत्या करके इन आतंकियों ने भारत की आत्मा पर वार किया है जिससे देश का हर नागरिक दुखी है और उन आतंकियों को कड़ी से कड़ी सजा देने की मांग कर रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह दहशत गर्द आतंकी हमले के बाद जंगलों में भाग गए हैं। उनकी खोज जारी है। ताजा अपडेट के मुताबिक पहलगाम के आतंकी पीर पंजाल की पहाड़ियों में छिपे हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आतंकी पीर पंजाल रेंज के ऊपरी इलाकों में छिपे हैं। उसके साथ अन्य आतंकवादी भी हैं। पहलगाम में हाल ही में हुए हमले के आरोपियों में से एक की पहचान पाकिस्तानी नागरिक हाशिम मूसा के रूप में हुई है, जिसे सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि मूसा पिछले एक साल से जम्मू-कश्मीर में सक्रिय था और उस पर सुरक्षाकर्मियों और गैर-स्थानीय लोगों को निशाना बनाकर किए गए कम से कम तीन हमलों में शामिल होने का शक है। माना जा रहा है कि मूसा पीर पंजाल रेंज के ऊपरी इलाकों में छिपा है, उसके साथ चार अन्य आतंकवादी भी हैं, जो कथित तौर पर पर्यटकों पर हुए हमले में शामिल थे। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इन आतंकियों की पहचान अली भाई उर्फ तल्हा, आसिफ फौजी, आदिल हुसैन थोकर और अहसान के रूप में की है। पुलिस ने हमले में जीवित बचे लोगों द्वारा दिए गए विवरण के आधार पर संदिग्धों के स्केच भी जारी किए हैं। अधिकारियों को शक है कि मूसा लश्कर-ए-तैयबा से इतर घाटी में सक्रिय अन्य पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठनों के साथ सहयोग कर सकता है।

सीमा पर युद्धाभ्यास

पृष्ठ एक का शेष ...में तेज़ी से निर्णय लेने के लिए अपनी क्षमताओं का परीक्षण कर रहे हैं।

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच यह अहम कदम यह अभ्यास विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह ऐसे वक्त में हो रहा है जब भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर तनाव बढ़ चुका है। पहलगाम हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ कई कड़े कदम उठाए हैं, जिनमें सीमा पर तैनाती और सीमा पार से होने वाली गतिविधियों पर पैनी नज़र रखना शामिल है।

अमित शाह ...

बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पाकिस्तान से जुड़े सभी वीजा को रद्द करने का आदेश दिया। इस फैसले के तहत अब सभी पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। सरकार ने 27 अप्रैल तक पाकिस्तान से संबंधित सभी नागरिकों को देश से बाहर निकलने का आदेश जारी किया था। गृह मंत्रालय ने यह कदम पाकिस्तान के साथ बढ़ते तनाव और आतंकवाद के खतरे को देखते हुए उठाया है। निर्देश दिया गया है कि वे अपने-अपने राज्यों में रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान करें और उन्हें जल्द से जल्द वापस पाकिस्तान भेजने के लिए कदम उठाएं। यह आदेश सुरक्षा हालात और पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादी गतिविधियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले पर बोले टीएस: आतंकवाद के समूल नाश का समय

रायपुर 25 अप्रैल (निस) जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले पर छत्तीसगढ़ के पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। बिलासपुर दौरे पर मीडिया से बातचीत में सिंहदेव ने कहा कि जैसे केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद खत्म करने का लक्ष्य तय किया है, उसी तरह पूरे देश से आतंकवाद खत्म करने का स्पष्ट टारगेट भी तय किया जाना चाहिए। उन्होंने हमले को अमानवीय, वीभत्स और निंदनीय बताया। साथ ही कहा कि यह घटना देश में अस्थिरता फैलाने और आपसी भाईचारा तोड़ने का कुत्सित प्रयास है। उन्होंने कहा पूरा देश इस समय सेना और सरकार के साथ खड़ा है। अब वक्त है कि आतंकवाद को जड़ से खत्म करने के लिए निर्णायक कदम उठाए जाएं। सिंहदेव ने कहा कि सीमा पर आतंकवादी संगठन इस तरह की घटनाओं को अंजाम देते रहे हैं, हालांकि बीते वर्षों में इनकी संख्या में कुछ कमी जरूर आई है, लेकिन आतंक का सिलसिला थमा नहीं है। उन्होंने कहा कि अब ऐसी घटनाओं के खिलाफ सबसे बड़ा जवाब देने का समय आ गया है। बातचीत के दौरान सिंहदेव ने बीजापुर और तेलंगाना की सीमा पर चल रहे अब तक के सबसे बड़े एंटी नक्सल ऑपरेशन की भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 32 घंटे से चल रहे इस ऑपरेशन में तीन राज्यों छत्तीसगढ़, तेलंगाना और महाराष्ट्र के करीब 5,000 जवान शामिल हैं, जिन्होंने टॉप नक्सली लीडरों हिड़मा, देवा, विकास सहित कई बड़े कैडरों को घेर रखा है। इस मुठभेड़ में अब तक 5 नक्सली ढेर हो चुके हैं और 100 से अधिक हथियार बरामद किए गए हैं। ऑपरेशन करेंगुट्टा, नडपल्ली और पुजारी कांकेर की पहाड़ियों पर जारी है। बताया जा रहा है कि 100 से ज्यादा नक्सली इलाके में सक्रिय हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली के इस इलाके में चला अतिक्रमण हटाओ अभियान

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन की टीम ने बुधवार को रोहतास नगर, घोंडा और यमुना विहार वार्ड में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। निगम की टीम के पहुंचते ही अफरातफरी मच गई। कुछ रेहड़ी-पटरी वाले अपने ठेले हटाने लगे। लेकिन निगम की टीम ने कई ठेले जब्त कर लिए, जिससे विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। पुलिस बल ने हस्तक्षेप कर प्रदर्शनकारियों को हटाया, तब जाकर निगम की टीम कार्रवाई पूरी कर पाई। निगम की टीम ने रोहतास नगर वार्ड से कार्रवाई की शुरुआत की। यहां ट्रांसफार्मर वाली गली से नत्थू चौक तक दो किलोमीटर एरिया से अतिक्रमण हटाया गया। ठेले जब्त किए गए और दुकानों के बाहर रखे सामान को उठा लिया गया। दुकानों के बोर्ड भी जब्त किए गए।

दिल्ली में 22 हजार भिखारियों की बल्ले-बल्ले भीख मांगने से रोकने के लिए सरकार करेगी ये काम

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) शहर में सालों से चली आ रही भिखारियों की समस्या से अब नए सिरे से निपटा जाएगा। सरकार इनके पुनर्वास की योजना बना रही है, जिसके तहत भिखारियों और ट्रांसजेंडरों को प्रशिक्षित कर उन्हें काम पर लगाया जाएगा, ताकि वे अपनी आजीविका चला सकें। केंद्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय की स्माइल योजना के तहत भिखारियों और ट्रांसजेंडरों का पुनर्वास किया जाएगा। इस योजना पर दिल्ली सरकार सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर काम करने जा रही है। सरकार ने इस क्षेत्र में काम करने वाले संगठनों से आगे आने की अपील की है। दिल्ली की भाजपा सरकार चाहती है कि जो भिखारी काम करने में सक्षम हैं, वे मुख्यधारा में आएं और काम-धंधा करें तथा अपने पैरों पर खड़े होकर सम्मान की जिंदगी जिएं। सरकार की नजर में भीख मांगने की प्रवृत्ति को रोकने का यही एकमात्र कारगर उपाय है।

दिल्ली-एनसीआर में फिटजी कोचिंग के खिलाफ बड़ा एक्शन 10 ठिकानों पर ईडी की छापामारी जारी

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली-एनसीआर में फिटजी कोचिंग के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया गया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम गुरुवार को फिटजी के 10 ठिकानों पर छापामारी कर रही है। ईडी की यह कार्रवाई फिटजी के दिल्ली, नोएडा और गुरुग्राम में चल रही है। उल्लेखनीय है कि फिटजी के सैकड़ों कोचिंग सेंटर बंद होने से हजारों छात्रों का भविष्य प्रभावित हो रहा है और फिटजी के मालिकों को करीब 12 करोड़ का फायदा होने का आरोप है। इसी मामले को लेकर ईडी की छापामारी जारी है।

अमृतपाल सिंह प्रिंटर, पब्लिशर व संपादक ने जेएसडी पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए आईजी प्रिंटर्स प्रा.लिमि., 104, डीएसआईडीसी, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-20 के मालिक/कीपर जगपाल सिंह से छपवा कर कार्यालय दैनिक भारत देश हमारा 24/34 तिलक नगर नई दिल्ली से प्रकाशित किया।
PRGI (RNI) Regd. No.57282/1994

एनसीईआरटी की लापरवाही से फल-फूल रहा नकली किताबों का बाजार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) स्कूलों में नया शैक्षणिक सत्र शुरू हो चुका है। इसके साथ ही नकली एनसीईआरटी किताबों का काला कारोबार भी फलने-फूलने लगा है। हाल ही में पुलिस ने समयपुर बादली में एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया जो नकली किताबें सप्लाई कर रहा था। इसी के मद्देनजर दैनिक जागरण तीन दिवसीय अभियान शुरू कर रहा है। इसमें हम बताएंगे कि एनसीईआरटी किताबों की कितनी जरूरत है और उनकी उपलब्धता कितनी है। इसके साथ ही नकली और असली किताबों में क्या अंतर है। नकली किताबों के बाजार का अर्थशास्त्र क्या है। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) पिछले कई वर्षों से सीबीएसई स्कूलों में अपनी किताबें पढ़ा रही है। इतने वर्षों से किताबें लिखने, उन्हें बनाने और फिर उन्हें तैयार करके स्कूलों को उपलब्ध कराने के धंधे में एनसीईआरटी ने यह अच्छी तरह समझ लिया है कि किस कक्षा के लिए कितनी किताबें छापनी हैं। लेकिन यह जानते हुए भी हर साल एनसीईआरटी की किताबें बच्चों को समय पर उपलब्ध नहीं हो पाती हैं।

दिल्ली में एक्यूआई को नियंत्रित करने के लिए एक्शन में सरकार

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) दिल्ली की बिगड़ती वायु गुणवत्ता के बीच पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने सोमवार को दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के अध्यक्ष, सचिव (पर्यावरण) और प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक आपातकालीन उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। सिरसा ने एक्यूआई के बढ़ते स्तर पर चिंता व्यक्त की और स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए समन्वित, समयबद्ध कार्रवाई के लिए सख्त निर्देश जारी किए। उन्होंने अंतर-विभागीय समन्वय पर जोर देते हुए कहा पर्यावरणीय जिम्मेदारी किसी एक विभाग की नहीं बल्कि सभी का सामूहिक कर्तव्य है। मंत्री ने एमसीडी और डीपीसीसी टीमों को दैनिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और बार-बार उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त दंडात्मक कार्रवाई पर जोर दिया। सिरसा ने कहा दिल्ली देरी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं कर सकती। प्रत्येक अधिकारी को इसे स्वास्थ्य आपातकाल के रूप में लेना चाहिए। बैठक का समापन जन जागरूकता अभियान तेज करने के निर्देशों के साथ हुआ, विशेष रूप से आरडब्ल्यूए, बाजारों और निर्माण एजेंसियों को लक्षित करके।

दिल्ली से पिथौरागढ़ की हवाई यात्रा सस्ती

नई दिल्ली 25 अप्रैल (निस) उत्तराखंड के पिथौरागढ़ से दिल्ली का हवाई सफर करने वालों के लिए अच्छी खबर है। दोनों शहरों के बीच हवाई यात्रा का किराया घटा दिया गया है। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के निर्देश पर पिथौरागढ़ से दिल्ली के बीच का हवाई किराया घटाया गया है। फ्लाइट से सफर करने के लिए यात्रियों के लिए प्रति सीट 2447 रुपये की कटौती कर दी गई है। सचिव उड्डयन सचिन कुर्वे ने इसके आदेश कर दिए हैं। उत्तराखंड हवाई संपर्क योजना के तहत दिल्ली से पिथौरागढ़ और पिथौरागढ़ से दिल्ली हवाई सेवा संचालित होती है। एलायंस एयर प्राइवेट लिमिटेज की तरफ से यह सेवा संचालित होती है। अभी दिल्ली से पिथौरागढ़ आने पर प्रति पैसेंजर 6,999 रुपये जबकि पिथौरागढ़ से दिल्ली जाने पर 7,447 रुपये किराया लेती है। क्षेत्र के कई लोगों ने मुख्यमंत्री से इस हवाई रूट पर किराया ज्यादा होने की शिकायतें की थी। मुख्यमंत्री धामी ने मुख्य सचिव को पिछले दिनों इस रूट के किराया का आंकलन करते हुए उसे निर्धारित करने के निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में हुई हाई पावर कमेटी की बैठक में पिथौरागढ़ से दिल्ली हवाई सेवा का प्रति पैसेंजर किराया 5000 हजार रुपये (एक तरफ) निर्धारित किया गया है। इसका विधिवत आदेश भी जारी कर दिया गया है।

मोर दुआर साय सरकार महाअभियान- प्रधानमंत्री आवास 2.0 अब तक 1 लाख से ज्यादा परिवारों का हुआ सर्वे

बिलासपुर 25 अप्रैल (निस) मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से हितग्राहियो को लाभान्वित करने के उद्देश्य से मोर दुआर साय सरकार अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत पूरे जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण अंतर्गत आवास प्लस 2.0 सर्वेक्षण कार्य किया जा रहा है। इस अभियान के तहत जिले के ग्राम पंचायतों में घर-घर जाकर सर्वेक्षको के द्वारा आवास सर्वेक्षण को शत् प्रतिशत पूर्ण कराने के लिए पात्र हितग्राहियों के सर्वे का कार्य किया जा रहा है। जिसमें अब तक 1 लाख 13 हजार 764 परिवारों का सर्वे किया जा चुका है। इसी क्रम में आज जिले के ग्राम पंचायत बहतराई मिट्ठू नवागांव, नवागांव सलका, करगीकला, सोनपुरी, चपोरा, चुरेली. दारसागर, पंडरापथरा पुरूवार घुटकू, निगारबंद, रेल्हा, लमेर बेलटुकरी, विशेष सर्वेक्षण पखवाड़ा अंतर्गत रैली दिवार लेखन, रंगोली प्रतियोगिता के माध्यम से सर्वे के लिये जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया तथा सर्वे में नाम जुड़वाने के लिये आवास प्लस सर्वे 2.0 एप के विषय में आम लोगों को जानकारी दी गयी। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा लोगो को प्रधानमंत्री आवास योजना अन्तर्गत आयोजित विशेष सर्वेक्षण पखवाड़ा के चरणबद्ध कार्यक्रम की जानकारी दी जा रही है एवं सभी पात्र परिवारो को 30 अप्रैल के पूर्व अपना नाम सर्वे में शामिल कराने के लिये अवगत कराया जा रहा है। मोर दुआर साय सरकार महाअभियान कार्यक्रम का दूसरा चरण - 20 28 अप्रैल तक कार्यक्रम का दूसरा चरण जारी है। जिसमें ग्राम नोडल अधिकारी एवं सर्वेक्षक द्वारा प्रत्येक ग्राम में ग्राम सभा आयोजित कर सर्वेक्षण की प्रक्रिया का प्रस्तुतिकरण करना है। सर्वेक्षक द्वारा अपने प्रभार क्षेत्र में घर-घर जाकर प्रत्येक परिवार का संतृप्ता के आधार पर शत प्रतिशत सर्वेक्षण करना है एवं सर्वेक्षित परिवारों के विवरण का ग्राम सभा में पठन एवं वाचन किया जाना है। जिला पंचायत सीईओ संदीप अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के समस्त विकासखण्ड के ग्राम पंचायतों में स्वसर्वे एवं सर्वेयर के माध्यम से सर्वे परिवारों का सर्वेक्षण कार्य जारी है।